स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 5 ✦ 25 नवम्बर 2018 ✦ वर्ष 7 ✦ कुल पृष्ठ 44 ✦ मूल्य ₹5

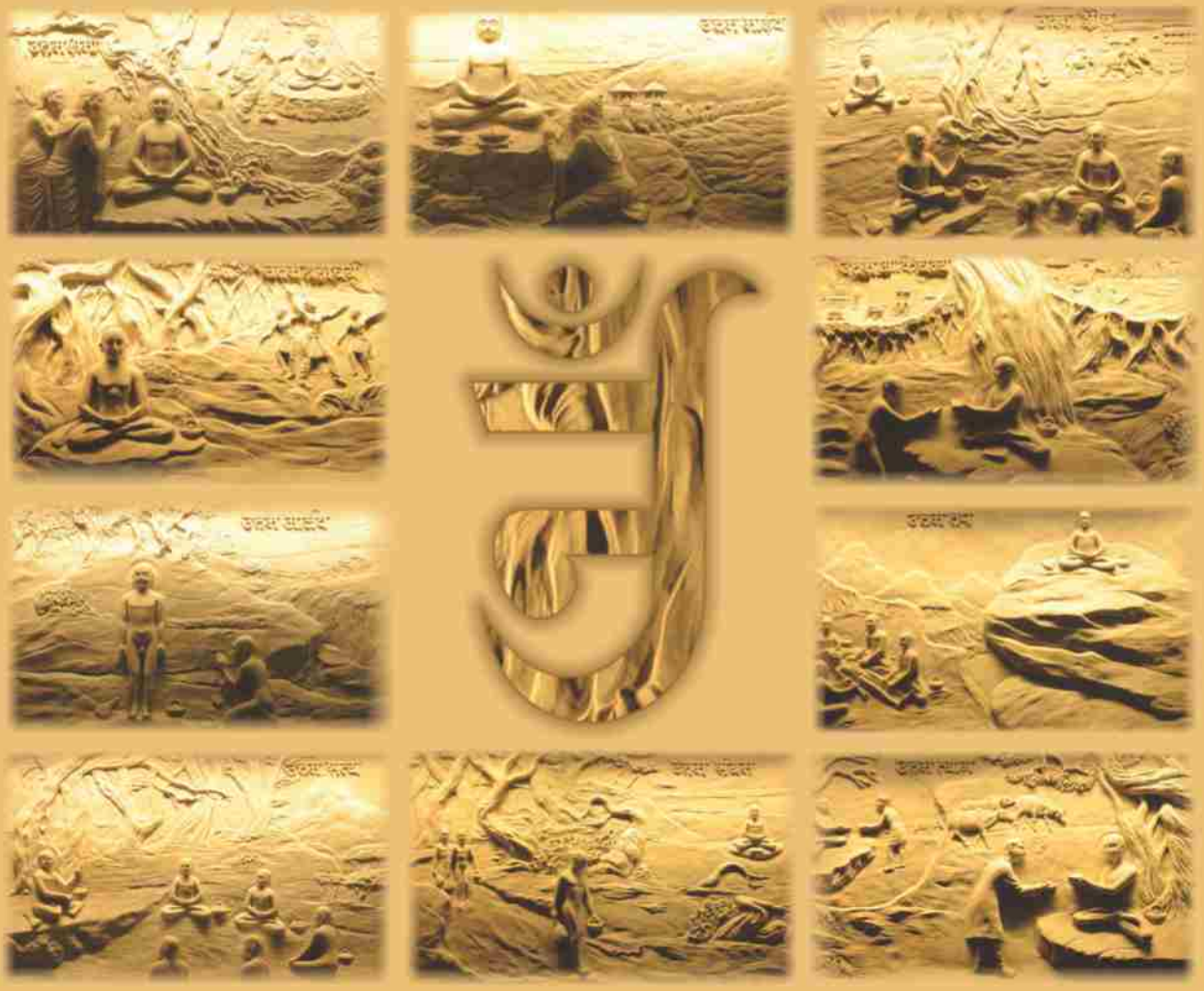

एक कलाकार की मिट्टी पर अद्भुत रचना

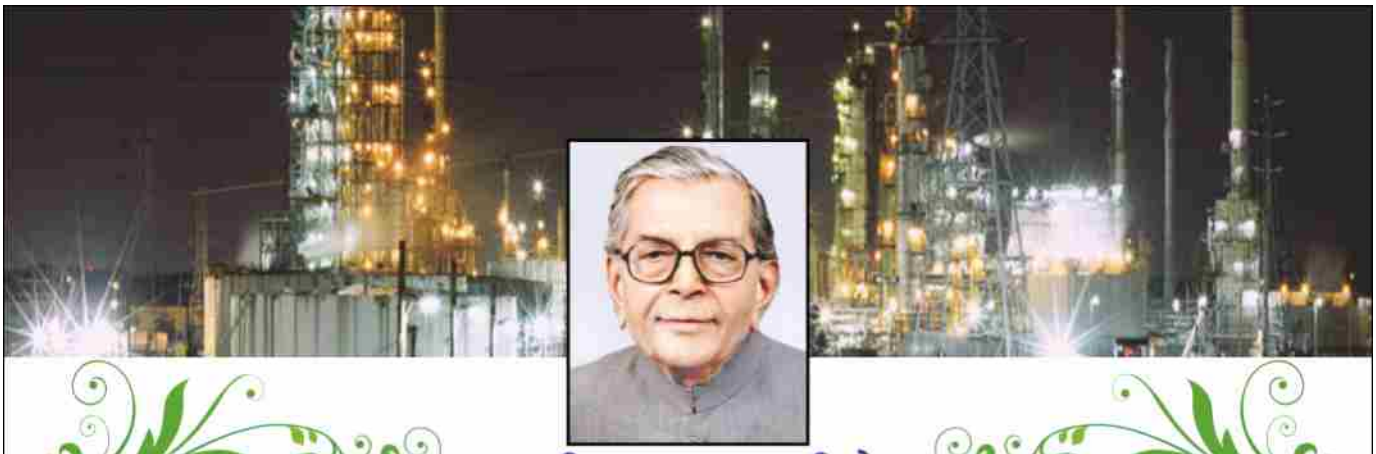

स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन

सादर श्रृद्धांजलि

MARSON'S

ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

ENERGY DISTRIBUTION SOLUTIONS

WINNER OF :

- ★ TOP EXPORTER AWARD FROM EASTERN REGION (2005-2006) GOLD TROPHY
- ★ STAR PERFORMANCE (YEAR 2004-2005, 2005-2006)
- ★ BHARATIYA UDYOG RATAN (GOLD MEDAL) YEAR-2002
- ★ AWARD FOR EXPORT EXECLLENCE (YEAR- 2000-01, 2001-02, 2003-04)
- ★ AWARD FOR NATIONAL PRODUCTIVITY (YEAR-1994-65)

MARSON'S ELECTRICAL INDUSTRIES

(Prop. MEI Power Pvt. Ltd.)

www.marsonselectricals.com • E-mail : info@marsonselectricals.com
1/189, Delhi Gate, Civil Lines, Agra-282002 (India)
Ph : +91-562-2520027, 2850812 • Fax : +91-562-2851306

Works :
Mathura Road, Artoni, Agra - 282007 (India)
Ph : +91-2641448, 2642327-28 • Fax : +91-562-2641435

TRANSFORMERS EXPORTED TO OVER 15 COUNTRIES

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

स्थापित 1968

email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

मूल्य ₹ 5/-

अंक 5 ✦ 25 नवम्बर 2018 ✦ वर्ष 7

कुल पृष्ठ : 44

पत्रिका का पूर्व प्रकाशन गत 10 वर्षों से मथुरा के पश्चात् - वर्तमान में जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट,
4, जानकी नगर मेन, इन्दौर (म.प्र.)-452001
मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री अनिल कुमार जैन *(सह-सम्पादक)*
38/233, किरण पथ, मध्यम मार्ग, मानसरोवर,
जयपुर-302020, मोबा.: 9314635755

श्री सुरेन्द्र प्रकाश जैन *(अर्थ संयोजक)*
बी-185, पी.एम.पी. भवन के सामने,
जनता कॉलोनी, जयपुर-302004
फोन : 0141-2601607, मोबा.: 9461136716

सम्पादक की कलम से....

पत्रिका के इस अंक के साथ एक कहानी साझा करना चाहता हूं।

एक बार कुल्हाड़ी और उसमें लगने वाले लकड़ी के एक डण्डे में बहस व विवाद छिड़ गया। दोनों स्वयं को एक दूसरे से शक्तिशाली बता रहे थे। कुछ बहस के बाद लकड़ी का डण्डा शांत हो गया किन्तु कुल्हाड़ी में घमण्ड कुछ ज्यादा था। वह गुस्से में आकर जोर-जोर से बोल रही थी- ''तुमने स्वयं को क्या समझ रखा है? तुम्हारी शक्ति क्या है? यदि मैं चाहूं तो बड़े-बड़े वृक्षों को पल में काटकर गिरा सकती हूं। तुम मेरी बराबरी नहीं कर सकते हो, तुम्हें काटकर टुकड़े-टुकड़े कर दूंगी, अतः मेरे सामने से हट जाओ।''

लकड़ी का डण्डा जो अभी तक शान्त था, कुल्हाड़ी की दम्भ व अहंकारपूर्ण बातें सुनकर मुस्कराया व धीरे से बोला- ''तुम जो बातें कर रही हो वह ठीक है, परन्तु जो कुछ तुमने करने के लिए कहा है क्या तुम वह सब अपने अकेले के दम कर सकती हो?''

कुल्हाड़ी ने गुस्से में आकर कहा- ''क्यों, मैं ऐसा क्यों नहीं कर सकती हूं, मेरे में किस बात की कमी है?''

डण्डा शांत स्वभाव से बोला- ''जब मैं हत्था बनकर तुम्हारे में लगता हूं तभी तुम्हारा उपयोग हो सकता है अन्यथा नहीं। अतः अकेले दम तुम कुछ भी नहीं कर सकती हो।'' कुल्हाड़ी को अपनी भूल का अहसास हुआ और डण्डे से क्षमा मांगी।

इसी प्रकार कोई भी समाज हो, आपसी सहयोग से ही चलता है। जिस प्रकार ताली दोनों हाथ से बजती है उसी प्रकार सामाजिक विकास का मार्ग परस्पर सहयोग से प्रशस्त होकर ही दृढ़ हो पाता है। समाज के प्रबुद्धजन, विद्वान व गुणीजन समाज को आगे बढ़ने में सहयोग करें व समाज को ऊंचाईयों पर पहुंचाने में मदद करें।

समाज में किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत द्वेषता, वैमनस्यता न हो क्योंकि यह समाज में विघटन का कारण बन जाती है। सामाजिक कुरीतियों व आपसी मतभेदों का समाज में कोई स्थान न रहे, इसी आशा के साथ.....

-प्रकाश चन्द जैन

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये।

भावभीनी श्रृद्धांजलि

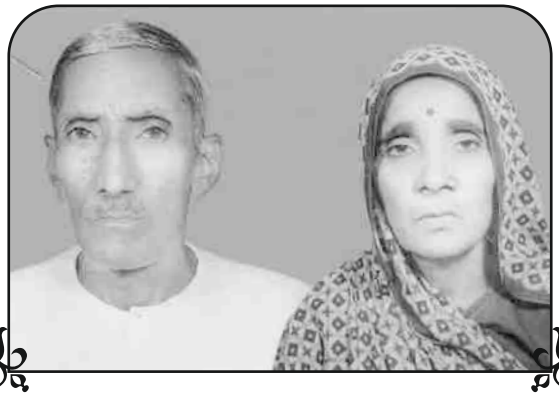

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
पदम चन्द जैन-इन्दू जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,
पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी
पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन
पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप
पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवासः- बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

संगठन का मूल्यांकन व महत्व

प्रत्येक जीव जिसने मनुष्य रूप में जन्म लिया है, उसको अपना जीवन इस प्रकार सार्थक बनाना चाहिए कि उसका जीवन शान्ति व आनन्द के साथ व्यतीत हो और अन्त में उसको मोक्ष मार्ग अथवा सद्गति ही प्राप्त हो। पूर्व कालों में जब कि धर्म की मान्यता व्यवहारिकता में थी, के कारण उस वक्त वर्तमान व भविष्य के लक्ष्यों की प्राप्ति दोनों ही सम्भव थी, किन्तु आज देश में राष्ट्रीय धर्म की अनुपस्थिति के कारण, धर्म के महत्व को नकारा गया है और विकास के लिए स्वतंत्र अर्थशास्त्र को ही केवल व्यवहार में लिया गया है जिससे उसका स्वरूप प्रचण्ड रूप से बढ़ा और राजनीतिज्ञो ने विशेष अधिकार प्राप्त करके इसको अपने निजी हितों व वोट प्राप्त करने के ध्येय से अनर्थशास्त्र बना दिया तथा समाज को जातियो के रूप में विभाजित करके उन्हें बढ़ाना और गिराना उचित समझा। आप लोगों ने कुछ साल पहले ही वरिष्ठ राजनीतिज्ञों के विचार पढ़े होंगे कि राजनीति का कोई भी धर्म व सिद्धांत नहीं होता है, चूंकि वह तो संसद में स्वयं कानून बनाने वाले होते हैं अतः उनके लिए कोई भी नियम या आधार चाहे देश हित का भी हो, स्थायी रूप से मान्य नहीं हो सकता है अतः हर राजनैतिक पार्टियों ने अपने –अपने हितों के लिए अधिक जनसंख्या वाली जातियों को लगाने के लिए संविधान में प्रदत्त कुछ सुविधाओं की 10 साल की अवधि को निरन्तर आज तक बढ़ाते चले आना ताकि उनसे वोट प्राप्त करके अपनी–अपनी कुर्सियाँ व पदाधिकार सुरक्षित रख सकें तथा अपने स्वार्थो को पूरा करते हुए केवल आंशिक जनता को ही नाना प्रकार के प्रलोभन सुविधाएं व आश्वासन देकर संतुष्ट व भ्रमित करते रहे। इसके अलावा हम सभी का यह दुर्भाग्य भी है कि देश की सभी राजनैतिक पार्टियां अर्थशास्त्र से हट कर स्वार्थशास्त्र का अनुसरण करके अमानवीय व्यवहार व भेदभाव पूर्ण नीतियों द्वारा बड़े बड़े उच्च पदस्थ व उच्च आय वाले क्रीमीलेयर वाले उच्च अधिकारियों जिनकी वार्षिक आय 15–20 लाख रुपये से भी अधिक है तथा व्यक्तिगत सम्पत्तियों का मूल्य भी करोड़ो से कम नहीं है जैसे मुख्य अभियन्ताओं, IPS, IAS, PCS राजनेताओं आदि को भी आरक्षण व संरक्षण नीति के अन्तर्गत एक विशेष जाति के नाम पर सभी सुविधाएं देती चली आ रही हैं।

जैन समाज जो स्वयं नाना प्रकार के सम्प्रदायों/उपजातियों जैसे दिगम्बर, श्वेताम्बर, स्थानकवासी आदि वर्गों में विभक्तहोने के कारण अपने – अपने धार्मिक क्षेत्रो, धर्म गुरुओं आदि की सुरक्षा के लिए कोई भी विशेष व्यवस्था तैयार नहीं की गई है जिसके कारण धर्म क्षेत्रो पर आधिपत्य छिनने के साथ–साथ धार्मिक गुरुओं पर भी मुगल शासकों की भांति अत्याचार शुरु हो गए हैं, अतः अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए समय आ गया है कि हम लोग अहंकारी व ओवर कॉन्फीडेंट भावों को त्याग कर एक राजनैतिक पहचान की शुरुआत हेतु संगठित हो, जिसकी शुरुआत राष्ट्रीय स्तर पर किसी सर्वोच्च संस्था का गठन किया जाए जिसमें सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व उन राज्यों की जैन आबादी के अनुपात से सदस्यों की संख्या, आचार्य संघों, विद्वान उच्च पदस्थ पदों पर रह चुके व्यक्तियों व व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े हुए व्यक्तियों आदि विशेष प्रकार से चयनित व नामित व्यक्तियों को निश्चित समय सीमा के लिए, मिला कर गठन की शुरुआत करनी चाहिए तथा इसकी शाखाऐं प्रत्येक जिलेवार बनाकर इसके लिए नियमावली, कार्यक्षेत्र व अन्य विषयों के लिए समाज के व्यक्तियों से राय/सुझाव लेने चाहिए तथा मोहल्ले, गाँव, कस्बा, शहर स्तर पर विचार गोष्ठियाँ बनाकर एक ऐसे कार्यक्रम व नीति के स्वरूप को बनाना होगा जिसमें सिर्फ इच्छुक व समय देने वाले व्यक्ति जो संगठन व विकास विषय पर एक समान राय रखते हो, का ही समावेश हो और निकटतम मन्दिर अथवा धर्मशाला में इकट्ठे होकर इस योजना का आवश्यक स्वरूप तय करने के लिए अपने– अपने क्षेत्र के सधर्मी भाईयों से चर्चा करें, ताकि धरातल स्तर से भावी कार्य की शुरुआत हो। इस विस्तृत योजना में मोहल्ला, शहर व जिलेवार प्रत्येक परिवार की गणना, सभी लोगों की ज्वलंत समस्यायें जैसे आज के खर्चीले व महंगे समय में अनुपयुक्त रीति, रिवाजों, रस्मों को सीमित करना या हटाना, शादी–विवाह हेतु नए निर्देशों को बनाना ताकि अधिकांश शादियां मन्दिर व धर्मशालाओं या पंचायती स्थानों पर ही हो, कुशाग्र बच्चों की अग्रिम शिक्षा के लिए प्रोत्साहन व छात्रवृत्तियाँ, युवाओं के लिए लघु उद्योगों, कुटीर उद्योगों व अन्य किसी भी प्रकार के रोजगार हेतु आवश्यक व्यवसायियों, फैक्ट्री ऑनर्स से सहयोग लेने आदि की योजनाओं को भी इस जिला स्तर की पत्रिका में

समाहित करके प्रत्येक दो या तीन वर्ष के अन्तराल पर प्रकाशन होना चाहिए। जिला अथवा कमीशनरी स्तर पर भी सोशल मीडिया की भी स्थापना बहुत अधिक फलदायी हो सकती है, तथा जैन समाचार पत्रों व मासिक पत्रिकाओं के माध्यम से विभिन्न स्तर पर मौजूद व्यक्तियों की राय भी आमन्त्रित की जा सकती है। इसी संदर्भ में मुझे लिखते हुए भी दुःख हो रहा है कि समाज के कुछ परिवारों की ओर देखने पर ज्ञात हुआ है कि अर्थ की कमी या अभाव के कारण अपने बालकों को अच्छी शिक्षा यानि वर्तमान समय की आवश्यकतानुसार से वंचित कर लेना, अपने बड़े–बूढ़े घर के व्यक्तियों का उपयुक्त इलाज नहीं करा पाना, शादी आदि उत्सवों के लिए समाज द्वारा तय किए हुए निर्देशों की कोई ठोस गाइडलाइन्स की अनुपस्थिति में लड़की वालों के परिवारों को विशेष अनावश्यक कर्ज लेने पर मजबूर होना पड़ता है इसीलिए हमारे धर्म संस्कारों वाली पढ़ी हुई शिक्षित लड़कियां अन्य जाति के लड़को से विवाह कर रही हैं, आदि आदि अनेकों समस्याओं से जूझ रहे हैं जिसका एक मुख्य कारण हमारी सोच व कर्त्तव्यों को सही सही दिशा में प्रयोग न करना तथा किसी भी एक संरक्षक संस्था की अनुपस्थिति भी है जिसकी शाखाऐं प्रत्येक शहर व जिले स्तर पर कार्यरत होनी अवश्य चाहिए तथा पदों पर आसीन पदाधिकारियों का आसीन समय भी निश्चित होना चाहिए। सही समय का आवश्यकतानुसार सोच व दिशा का निर्धारण समाज के सक्षम व श्रेष्ठ दानवीरों द्वारा जनहित कार्यों जैसे असहाय, निर्बल व्यक्तियों के लिए वृद्धाश्रमों, विधवा आश्रमों, अनाथालयों, चिकित्सालयों, स्कूलों, कालेज आदि योजनाओं को भी उचित स्थान देते हुए बड़े – बड़े साधू आश्रमों व भव्य मन्दिर के निर्माण कराने चाहिए ताकि समाज द्वारा उपकारित व्यक्तियों के हृदय में समाज को सबल बनाने की प्रेरणाा मिलती रहे।

अतः आज समय की मांग है कि सभी प्रकार के भेद–भावों को दूर करते हुए आने वाले अपने –अपने भविष्य के लिए सभी वर्गो को चाहे दिगम्बर, श्वेताम्बर, स्थानकवासी, ओसवाल, गुरु उपासक तथा अन्य कोई भी जाति व गोत्र के सभी जैन धर्म प्रेमियों को एक राजनैतिक स्वरूप बनाना चाहिए तथा हमारे गुरुओं को भी इसका महत्व व आवश्यकता पर जोर देना चाहिए ताकि हमारे धार्मिक क्षेत्रों व गुरुओं की रक्षा हो सकें।

हमारे समाज में बढ़ रही बुराईयों के कारण गरीब, अमीर व मध्यम श्रेणी में निरन्तर अन्तर बढ़ रहा है जिसके कारण मध्यम वर्ग की लड़कियां जो संख्या में शिक्षित अधिक भी हैं अपने समाज में उपयुक्त शिक्षित लड़कों की कमी तथा विवाह उत्सव पर होने वाले भारी भरकम खर्च के कारण जैनेत्तरों से शादी कर रही हैं ताकि वे दोनों नौकरियां करके अपनी अपनी जीवन नैया को भविष्य में आने वाले कष्टों से बचा सकें। आप स्वयं हमारे समाज की तुलना में देख रहे होंगे कि अग्रवाल (हिन्दुओं), ईसाइयों व सिक्खों के द्वारा संचालित स्कूलों, व्यवसायिक शिक्षा संस्थानों, अस्पतालों, कालेजों व धर्मशालाओं की संख्या बहुत होने के कारण उनको उच्च शिक्षा में आसानी से प्रवेश व अन्य सुविधाएं मिल जाती है इसीलिए सरकारी, विभिन्न उच्च पदों पर आसीन हो जाते हैं और हम मध्यम दुकानदारी करने को मजबूर बनते हैं।

क्या मंदिरों में रुकने वाले साधुओं व साध्वियों की पूजा–सेवा में समाज की सहभागिता में कमी नहीं महसूस की जा रही है ? क्या सामाजिक कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए नाना प्रकार के प्रलोभनों जैसे भोजन व्यवस्था को उपलब्ध कराना, आने–जाने के लिए निःशुल्क वाहन सुविधा उपलब्ध कराना, भीड़–भाड़ हेतु बच्चों व स्त्रियों को ईनाम (पारितोषिक) देने की प्रथा आदि कराने पर भी संख्या में कमी का पाया जाना महसूस नहीं हो रहा है ? क्या अधिकांश साधुओं साध्वियों का अपने संघ के साथ आहार व्यवस्था के लिए पूर्ण रूप से आहार तैयार करने वाले व्यक्तियों तथा सामग्री अपने साथ नहीं ला रहे है ? क्या एकल विहारी साधू सुरक्षित हैं तथा संघीय साधुओं के साथ चलने वाले व्यक्तियों की संख्या क्या संतोषजनक होती हैं ? जब भारत आजाद हुआ था उस समय राजनीति में हमारे समाज के व्यक्तियों की संख्या के मुकाबले आज की संख्या क्या है ? अनादि काल से मौजूद जैन धर्म को मानने वाले निरन्तर कम हो रहे हैं, क्षेत्रफल व संख्या दोनों में तीव्र गति से ह्रास होने के कारणों पर चर्चाएं व विचार गोष्ठियों का आयोजन हो तथा राष्ट्रीय स्तर एक ऐसी संस्था का निर्माण हो जिसमें क्षुल्लक तक का प्रतिनिधित्व हो तथा हर शहर में शाखाएं हो और हर शाखा में युवकों का जैन धर्म रक्षा दल या अन्य नाम से दल होना चाहिए जिसका उत्तर दायित्व समाज की मौजूदा कुरीतियों को दूर करना होना चाहिए। धन्यवाद।

–मु. कुमार जैन
सेक्टर 2, हाउस नं. 62, राधापूरण एस्टेट,
स्टेडियम रोड, मथुरा

बच्चों को प्रतिस्पर्धी नहीं, प्रगतिशील बनाऐं

अक्सर अभिभावक अपने बच्चों की दूसरे बच्चों से तुलना करते हैं और उन्हें सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए बार–बार कहते हैं। अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना तो अच्छी बात है, लेकिन दूसरों से श्रेष्ठ होना, दूसरों से अधिक अच्छा होना–इस तरह की प्रतिस्पर्धा में बच्चों के अंदर श्रेष्ठ गुण विकसित नहीं हो पाते। वे व्यावहारिक दृष्टि से भले ही अच्छा प्रदर्शन करें, लेकिन इस दुर्भावना से उनके व्यक्तित्व का विकास अधूरा रह जाता है और उनमें कई तरह की कमियाँ आ जाती हैं।

यह वास्तविकता है कि हर बच्चे की बुद्धि, योग्यता व दक्षता भिन्न–भिन्न होती है। ऐसे में किसी बच्चे की दूसरे बच्चे से तुलना करना उसके अंदर नकारात्मक दृष्टिकोण पनपने का कारण बन सकती है। किसी बच्चे पर अधिक अंक लाने का दबाव उसे कई तरह की योग्यताओं को अर्जित करने की क्षमता से वंचित कर सकता है। अपने बच्चे को अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करना, उसकी क्षमताओं को विकसित करने हेतु प्रोत्साहित करना बहुत अच्छी बात है, किंतु उसके लिए अभिभावकों द्वारा लक्ष्य निर्धारित करना, उस पर अपना दबाव बनाना गलत है, इससे वह कुंठित होता है। और जो वह करना चाहता है, जिस दिशा में आगे बढ़ने में उसकी रुचि है, वह क्षमता उसकी अवरुद्ध हो जाती है।

हर बच्चा अपने माता–पिता की अपेक्षाओं पर, उनकी कसौटियों पर हमेशा खरा उतरने का प्रयास करता है और यदि वह ऐसा नहीं कर पाता तो बहुत अधिक निराशा, हताशा व ग्लानि महसूस करता है। ऐसे क्षणों में उसे अभिभावकों के संबल व सांत्वना की जरूरत होती है, अतः ऐसे समय में बच्चे को अपमानित करने व डाँटने से बचें, क्योंकि यह वह संवेदनशील स्थिति होती है, जिसके कारण बच्चा आत्महत्या जैसे घातक कदम भी उठा सकता है। अभिभावकों को याद रखना चाहिए कि हर बच्चा अपने आप में मौलिक होता है, बस, उसे अपनी मौलिकता याद दिलाने की जरूरत है।

यदि अभिभावक अपने बच्चों की क्षमताओं को समझने में सफल होते हैं तो ऐसे में बच्चे वास्तव में बेहतर काम कर सकते हैं। अतः बच्चे को एक ही ढरें पर चलाने से अच्छा यह होगा कि उसे अपने अनुरूप चलने, आगे बढ़ने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करें, उसे अपना लक्ष्य स्वयं निर्धारित करने दें और अपने निर्णय स्वयं लेना सिखाएँ और समय–समय पर उसकी मदद भी करें। अभिभावकों का सदैव यह प्रयास रहना चाहिए कि उनके बच्चे दूसरों पर निर्भर न रहें, बल्कि आत्मनिर्भर होना सीखें। वे दूसरों की नकल न करें, बल्कि अपनी रचनात्मकता विकसित करें।

बच्चों को सदैव ही अपने अभिभावकों के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है और किसी महत्त्वपूर्ण कार्य के लिए उनकी अनुमति की भी जरूरत होती है। अतः बच्चों को उचित–अनुचित में फरक समझाना, नए–नए तथ्यों से अवगत करना, जीवन की समझ पैदा करना और उनके अंदर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का विकास करना जरूरी है। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से तात्पर्य है कि वे दूसरों से अपनी तुलना करने के बजाय अपनी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें, अपनी कमियों को पहचानें, उन्हें दूर करें और आगे बढ़े।

आगे बढ़ने के लिए हर बच्चे को कदम–कदम पर परीक्षाएँ देनी होती हैं। परीक्षाएँ शैक्षिक, व्यावहारिक स्तर की होती हैं, जिनमें वह सफल या असफल, कुछ भी हो सकता है। सफल होने पर बच्चों में अहंकार की भावना आ सकती है। ऐसे में बच्चे दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते, वहीं असफल होने पर बहुत निराश हो जाते हैं, फिर उन्हें आगे बढ़ने का कोई मार्ग समझ नहीं आता। दोनों ही परिस्थितियों में बच्चों को सही मार्गदर्शन की जरूरत होती है। यह जरूरी है कि बच्चों के असफल होने पर अभिभावक उन्हें धिक्कारें नहीं, बल्कि समझाएँ और अधिक अच्छा प्रयास करने के लिए प्रेरित करें।

ऐसे में जरूरत हो तो पुनः प्रयास करने में उनकी मदद करें, जरूरी सुविधाएँ उन्हें उपलब्ध कराएँ और उन्हें यह भरोसा दिलाएँ कि वे सदैव उनके साथ हैं। इसलिए परीक्षा के किसी भी तरह के परिणाम से वे घबराएँ नहीं। वांछित परिणाम न मिलने पर बच्चों को यह आशा दिखाएँ कि अभी आगे बढ़ने के बहुत से मार्ग व अवसर हैं, जिंदगी के बहुत सारे मौके उनके लिए प्रतीक्षारत हैं। अतः अपने को योग्य बनाना, अपनी क्षमताओं को विकसित करना और निरंतर प्रयास करना बहुत जरूरी है।

बच्चों के अंदर समझ धीरे–धीरे विकसित होती है, वे अपनी आधी–अधूरी समझ के साथ जीवन में आगे बढ़ते हैं। जो उन्हें सिखाया जाता है, उसे वे सीख लेते हैं, अच्छे व बुरे में फरक करना भी वे नहीं जानते हैं, इसलिए कभी–कभी गलत संगत में पड़ जाते हैं और कई तरह के अवगुण सीख लेते हैं। ऐसे में अभिभावकों को सतर्क रहने की जरूरत है कि वे बच्चों के व्यवहार, उनकी बातचीत, उनके सोच–विचार का निरीक्षण करते रहें। यदि वे गलत दिशा में जा रहे हैं तो उन कारणों को खोजना व उन्हें सही दिशा की ओर प्रेरित करना अभिभावकों की जिम्मेदारी है।

बच्चों की परवरिश किस तरह से हुई है, यह बच्चों के व्यवहार से, उनके बातचीत के तरीके से और उनके विचारों से

पता चल जाता है। बच्चे वही करते हैं, जो उन्हें सिखाया जाता है या फिर वे दूसरों की नकल करके सीख लेते हैं, अतः यह बहुत जरूरी है कि बच्चों के सामने अच्छा व्यवहार किया जाए, अभिभावकों द्वारा अपनाई गई किसी भी तरह की गलत आदतें बच्चों के ऊपर अपना नकारात्मक प्रभाव डालती हैं, फिर उन्हें सही दिशा दिखा पाना बहुत मुश्किल होता है।

बच्चों का स्वभाव थोड़ा जिद्दी होता है, ऐसे में उनके लिए क्या उचित है और क्या अनुचित, इसका ध्यान रखते हुए उनकी ख्वाहिशें पूरी करनी चाहिए। जो अभिभावक बच्चों की हर ख्वाहिश पूरी करने में लगे रहते हैं, वे एक तरह से अपने बच्चों को बिगाड़ते हैं और उन्हें जिद्दी बनाते हैं। उचित यही होगा कि बच्चों को उदाहरण के साथ यह समझाया जाए कि उनके लिए क्या सही है और क्या गलत। किन चीजों का चुनाव उनके लिए लाभकारी हो सकता है और किन चीजों से उन्हें हानि हो सकती है।

खान–पान के बारे में भी बच्चों को आरंभ से सिखाना बहुत जरूरी है; क्योंकि जो आदतें बचपन में विकसित हो जाती हैं, वे जीवन भर उनका साथ निभाती हैं। बच्चे अक्सर स्वादिष्ट खाने के चक्कर में पौष्टिक खाने के लाभ से वंचित रह जाते हैं। तला–भुना भोजन, पैकेट व डिब्बाबंद भोजन उनके स्वास्थ्य के लिए लाभकारी नहीं होता; जबकि ताजा, सुपाच्य भोजन, फल–सब्जियाँ व जूस आदि उनके लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। अतः खान–पान संबंधी अच्छी आदतों का विकास उनके स्वास्थ्य संवर्द्धन के लिए बहुत जरूरी होता है।

बच्चे का विकास जीवन के हर आयाम में हो, शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, व्यावहारिक आयामों के साथ आध्यात्मिक आयाम का विकास भी उनके लिए जरूरी है, तभी बच्चे का व्यक्तित्व समग्र रूप से विकसित होगा। यह सब माता–पिता द्वारा प्रदत्त सही मार्गदर्शन से ही संभव है। अतः अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अभिभावक अपने इस दायित्व को न भूलें और अपने बच्चों को पर्याप्त समय दें।

लाडो को मिला समिति की सदस्याओ का प्यार व दुलार

अजमेर की पाल बिछला मन्दिर, अजमेर ने जरूरतमंद विधवा महिला की बिटिया की शादी हेतु सहयोग दिया

पल्लीवाल दिगम्बर जैन मन्दिर, अजमेर की पाल बिछला इकाई द्वारा विधवा महिला अनिता धर्मपत्नी स्वर्गीय गोविंदसिंह जी गंज निवासी की पुत्री राखी जिसका विवाह 11 नवम्बर को था, के विवाह में सहयोग प्रदान किया गया।

युवा संभाग की महिला प्रकोष्ट मंत्री सुधा पालीवाल ने बताया कि पाल बिछला स्थित जैन मंदिर के पास इस जरूरतमंद परिवार की बालिका के विवाह व विवाह उपरांत गृहस्थ जीवन में कार्य आने वाली सभी सामग्री जिसमें लड़की की शादी का बेस, 11लेडीज सूट, सभी परिवारजन के कपड़े, शाल स्वेटर्स, छह प्रकार के कार्डिगन, कम्बल, बिस्तर, रजाई, तकिए, दोवड, बेड शीट, पर्स, शादी का चूड़ा सेट, चांदी की पायल, बिछिया, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, प्रेस, स्वरोजगार हेतु सिलाई मशीन, टेबल कुर्सियों का सेट, मिक्सी, गैस चूल्हा, ओवन, घड़ी का सेट, कुकर, केसरोल सभी प्रकार के सेलो आइटम, गृहस्थ जीवन व रसोई के कार्य में आने वाले सभी तरह के बर्तन, गिफ्ट आइटम सहित नगद सहायता भेंट की गई। युवा महिला संभाग अध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि महिला महासमिति अजमेर की 16 इकाइयों व 750 सदस्याओं के द्वारा पूर्व में 35 जरूरतमंद बालिकाओं के विवाह में सहयोग दिया जा चुका है। आज के इस सेवाकार्य में पाल बिछला इकाई की सदस्याओं व युवा महिला संभाग अध्यक्ष मधु अतुल पाटनी का सहयोग रहा। समिति की सेवा पाकर जरूरतमंद परिवार की सदस्याओं की आंखों में खुशी के आंसू छलक आये, परिवार द्वारा समिति सदस्याओ को धन्यवाद दिया गया।

इससे पूर्व पाल बिछला इकाई अध्यक्ष श्रीमती मंजू जैन (पल्लीवाल) व मंत्री रेखा जैन (पल्लीवाल) ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। इस अवसर पर महिला संभाग अध्यक्ष शिखा बिलाला, मंत्री आशा पाटनी, कमलेश पालीवाल, व पाल बिछला इकाई की सभी सदस्याऐं व समाजसेवी राकेश पालीवाल मौजूद रहे ।

बधाई

प्रतिभा जैन पुत्री श्री प्रदीप कुमार जैन, 35/124, रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर को मर्चेन्ट नेवी में इलेक्ट्रो टेक्नीकल ऑफीसर (ETO) पद पर मस्क लाइन शिपिंग कम्पनी डेनमार्क में चयन हुआ है। प्रतिभा पल्लीवाल जैन समाज की प्रथम बेटी है जिसका मर्चेन्ट नेवी में चयन हुआ है। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा प्रतिभा जैन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

राहुल जैन सी.ए. पुत्र श्री सुरेश चन्द जैन निवासी भाईंदर मुम्बई ने CFA Level-II में सफलता प्राप्त की है। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा राहुल जैन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

क्षमावाणी पर्व पर वृद्ध महिलाओं का सम्मान समारोह

त्रिशला महिला मण्डल जौरा द्वारा दिनांक 07.10.2018 रविवार को नगर परिषद् जौरा के टाउन हाल में दोपहर 1 बजे से क्षमावाणी पर्व का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मण्डल को अध्यक्ष श्रीमती मंजू जैन ने की मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती उषा सुनील सिंघल अध्यक्ष नगर परिषद् जौरा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती कल्पना जैन उपाध्यक्ष महिला जैन मिलन जौरा उपस्थित थी।

कार्यक्रम का प्रारम्भ भगवान महावीर के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा किया गया मंगलाचरण कु. हिमानी जैन द्वारा तथा स्वागत गीत श्रीमती सुमन जैन एवं कु० ऋतु जैन एवं अध्यक्ष का स्वागत मण्डल की उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा जैन, मंत्री श्रीमती लीला जैन एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शृंखला में कौन बनेगा धर्म श्रेष्ठी, स्वास्तिक बनाओ, गुब्बारा फुलाओ, डांडिया एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया, उपस्थित वृद्ध महिलायें श्रीमती कान्तीजैन, श्रीमती वैजयंती जैन, श्रीमती शान्ति जैन, श्रीमती पुमिया जैन का सम्मान मुख्य अतिथि द्वारा तिलक लगाकर, माला पहना कर एवं शांल ओढ़ाकर किया तथा सभी वृद्ध महिलाओं द्वारा सभी उपस्थित समुदाय को आर्शीवाद वचन कहे गये। कु. शालू जैन पु. पदम चन्द जैन द्वारा बोर्ड परीक्षा में 78 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर उसका भी सम्मान किया गया। तदुपरान्त उपस्थित सभी अतिथिगण, महिला जैन मिलन के पदाधिकारी, विद्यावर्णी पाठशाला की शिक्षिकाएं एवं कार्यकारिणी सदस्यों का सम्मान महिला मण्डल के पदाधिकारियों द्वारा किया गया सभी उपस्थित लोगों ने क्षमावाणी पर्व के अवसर पर एक दूसरे से क्षमायाचना की एवं गले मिले। अन्त में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अध्यक्ष द्वारा क्षमा वाणी पर्व पर अपने–अपने विचार प्रकट किये तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का आभार मंडल की अध्यक्षा श्रीमती मंजू जैन द्वारा किया गया तथा भविष्य में सहयोग की अपील की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती भारती जैन कार्यकारिणी सदस्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम समाप्ति के बाद सभी लोगों के लिये स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई सभी लोगों ने स्वल्पाहार किया।

मुम्बई शाखा

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा शाखा मुम्बई द्वारा 18.11.2018 को मांडवी हिल रिसोर्ट वाटर पार्क में प्रातः 9 बजे से शाम 6 बजे तक पिकनिक का आयोजन किया गया जिसमें समाज के 50 लोगों ने भाग लिया। सभी ने सुबह नाश्ता करने के बाद करीब 2घंटे तक अलग–अलग तरह के वाटर गेम्स में खूब मौज–मस्ती की। उसके बाद स्वादिष्ट लंच का आनंद लिया। तत्पश्चात मिटिंग भी की जिसमें निम्न कार्य सम्पन्न किए :–

जनवरी से लेकर अक्टूबर तक जितने कार्य किये उनका विवरण सभी सदस्यों को बताया। सर्वसम्मति से शशि पालीवाल को महामंत्री पद पर नियुक्ति किया। 4 अक्टूबर से 11 अक्टूबर2018 को शिखरजी यात्रा में जाने वाले करीब 25 लोगों का नारियल एवं पुष्प गुच्छ से सम्मान किया। उपस्थित पूर्व अध्यक्षों का भी पुष्पगुच्छ एवं नारियल देकर सम्मानित किया। तीन नए परिवार के 10 लोगों को मुम्बई शाखा से जोड़ा गया। कार्यकारिणी सदस्य अपर्णा की शादी की वर्षगांठ भी उसी दिन थी, उन्हें भी बधाई दी गई। अपर्णा जी ने 1100 रुपये महासभा शाखा मुम्बई को दान दिया। सुनीता जी ने गाना गया और हौजी गेम खिलाया। अध्यक्ष मृगेन्द्र जी को जोकि विगत 7, 8 वर्षों से समाज के लिए पूरी लगन और मेहनत के साथ कार्यरत हैं उनका सम्मान किया गया। शाम को चाय और पावभाजी, भेल, पुलाव का भरपूर आनंद लिया। शाम 6 बजे पिकनिक का समापन किया गया।

समाज से जुड़े सदस्यों के लिये एक महत्वपूर्ण बात है कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिये सरकार की तरफ से होने वाले फायदे पर कार्यकारिणी ने निश्चित किया है कि समाज के बच्चों के लिये कार्ड देंगे जिससे वह बच्चा अपनी तरक्की के लिए शिक्षा प्राप्त करने हेतु अपना प्रयास जारी रखे। अतः जिनको भी कार्ड चाहिए वो अपने बच्चों के फोटो एवम् आवश्यक जानकारी भेजें। मुम्बई शाखा ने जनवरी 2018 से नवंबर 2018 तक निम्न कार्यक्रम का अयोजन किया :–

1. जनवरी में कुंठलगिरी, जंतुर, पैठण, जटवाड़ा, औरंगाबाद, एलोरा, कचनेर, शिरडी, शनिः शिगनापुर की यात्रा की। 2. अंतरराष्ट्रीय यात्रा– श्रीलंका की 9 जून से 19 जून तक। श्रीलंका में मंदिर का भूमिपूजन शिला न्यास किया। 3. जुलाई में महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन / चुनाव में भाग लिया। 4. अक्टूबर में शिखर जी की यात्रा कराई। 5. 18 नवम्बर को पिकनिक का आयोजन किया।

शाखा नागपूर

दि. 19.9.2018 से 26.9.2018 तक नागपुर पल्लीवाल समाज ने सम्मेद शिखर जी यात्रा की जिसमें समाज के वरिष्ठजन, महिनाऐं एवं युवक सम्मलित थे। दि. 28.10.2018 को यात्रा निमित्त श्री भगवान महावीर मन्दिर रनाला में सभी ने समेद शिखर जी की पूजा अर्चना आरती कर धर्मलाभ लिया। इसके पश्चात श्री दीपक जैन नागपुर की ओर से भोजन व्यवस्था की गयी।

A meeting of Youth residing in Pune was conducted near Sambhaji Park, J.M. Road, Pune. 16 persons attended the meeting & decided to Form "Palliwal Jain Pune Chapter" & decided to run social and religious activities through this forum and conduct regular meetings. All members agreed to increase the membership strength and try to reach out to more people. Meeting was also attended by Sh. Devendra Kr. Jain (Jaipur). Special vote of thanks to Sh. R.C. Jain, Sh. Rajeev Ratan Jain, Sh. Ashok Kumar Jain for their guidance.

शोक संवेदना

डॉ. लालचन्द जी जैन (धनवाड़ा वाले), ए–47, पर्ल रिगेलिया टाऊनशिप, इस्कान मन्दिर के पास, मुहाना रोड, जयपुर का स्वर्गवास दि. 23.10.2018 को हो गया है। आप वनस्थली विद्यापीठ में विभागाध्क्ष थे। आप मिलनसार, धार्मिक, विद्वान व्यक्ति थे।

श्रीमती ज्ञानदेवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. दयाचन्द जी जैन (हरसाना वाले), प्लाट नं. 14, स्वाधीन मार्ग, हवा सड़क, 22 गोदाम, जयपुर का दि. 18.11.2018 को स्वर्गवास हो गया है।

श्री महावीर प्रसाद जी जैन (वडेर वाले) 43, आर्य नगर, स्कीम नं. 1, अलवर का स्वर्गवास दि. 18.11.2018 को हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक, विद्वान व्यक्ति थे।

श्रीमती जावित्री देवी जी धर्मपत्नी स्व. श्री हजारी लाल जी जैन (विचगॉवा वाले), खेरली का देवलोक गमन दिनांक 31.10.2018 को हो गया है।

श्रीमती रामदेवी जी जैन धर्मपत्नी श्री रतनलाल जी जैन (काँटवाड़ी वाले), वार्ड नं. 2, जैन कॉलोनी, खेरली, अलवर का स्वर्गवास दिनांक 16.11.2018 को हो गया है। आप धार्मिक व्यक्तित्व की महिला थीं।

रिशान जैन पुत्र श्री आशीष जैन, सुपौत्र आर.के. जैन, बी सी–10डी, डीडीए फ्लैट, मुनिरका, नई दिल्ली का अल्पायु में दिनांक 09.11.2018 को स्वर्गवास हो गया है।

श्री सुमेर चन्द जी जैन (पटवारी) कंजौली वाले, सी–31, मोहन नगर, हिण्डौन सिटी का दिनांक 24.10.2018 को स्वर्गवास हो गया है। आप सहज, सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्ति थे।

श्री रिखब चन्द जी जैन पुत्र स्व. श्री उमेदी लाल जी जैन (काश्मीरिया) खेड़ी देवीसिंह, रिटायर्ड चीफ सुपरवाईजर D.O.T का दिनांक 20.10.2018 को मानसरोवर, जयपुर में स्वर्गवास हो गया है। आप समाजसेवी, मिलनसार एवं धार्मिक कार्यों में तन–मन–धन से सहयोग हेतु तत्पर रहते थे।

श्रीमती चन्द्रकान्ता जी जैन धर्मपत्नी श्री सुमेर चन्द जी जैन, वार्ड नं. 4, सेढ़ के मढ़ के पास, खेरली, अलवर का स्वर्गवास दिनांक 11.11.2018 को हो गया है।

अ.भा.प.जैन महासभा वीर प्रभु से उपरोक्त सभी आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए शोक संवेदना प्रेषित करती है।

पत्रिका विज्ञापन सहयोग राशि

	वार्षिक	मासिक
कवर पृष्ठ अंतिम (मल्टीकलर)	31,000/-	3,100/-
कवर पृष्ठ द्वितीय (मल्टीकलर)	25,000/-	2,500/-
कवर पृष्ठ तृतीय (मल्टीकलर)	25,000/-	2,500/-
कलर पृष्ठ (मल्टीकलर)	21,000/-	2,100/-
अंदर पृष्ठ श्वेत श्याम	11,000/-	
अंदर पृष्ठ आधा श्वेत श्याम	7,000/-	
पुण्य स्मृति आधा पृष्ठ श्वेत श्याम	7,000/-	700/-
पुण्य स्मृति पूरा पृष्ठ श्वेत श्याम	11,000/-	1,100/-

पत्रिका

पत्रिका वार्षिक शुल्क	50/-
पत्रिका आजीवन सदस्य	400/-
पत्रिका संरक्षक सदस्य	11,000/-
पत्रिका हितैशी सदस्य	5100/-

पत्रिका की राशि 'श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका' के नाम से एवं महासभा की सहयोग राशि 'अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा' के नाम से ड्राफ्ट/चैक द्वारा भेजें।

- ***पत्रिका हेतु प्रकाशनार्थ सामग्री पत्रिका संयोजक के पास ही प्रेषित करें, जो प्रत्येक माह की 15 तारीख तक प्राप्त होनी चाहिये।***
- *पत्रिका हेतु सदस्यता शुल्क/विशेष सहायता संयोजक के पास प्रेषित करें।*
- *पत्रिका में स्थान उपलब्ध होने पर ही विज्ञापन का प्रकाशन किया जायेगा।*
- *गत वर्ष के रंगीन विज्ञापनदाताओं की बकाया विज्ञापन सहयोग राशि शीघ्र संयोजक के पास भिजवाने का कष्ट करें।*

सूचना : (अ) रु. 500/- से कम के आर्थिक सहयोग राशि वालों के नाम पत्रिका में प्रकाशित नहीं किये जायेंगे।
(ब) जो सदस्य महानुभाव अपनी पत्रिका कोरियर द्वारा प्राप्त करना चाहते हैं वह रु. 30/- प्रति माह के हिसाब से एक वर्ष का शुल्क रु. 360/- श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका को भेजें।

Insane.TRAVEL
made by travelers
PLAN YOUR DREAM VACATION WITH US..
MAURITIUS HONEYMOON
₹58,000 per person
- Return airfare
- 5 nights stay
- Breakfast & Dinner
- Return airport transfers
- Ile aux cerfs tour, South island tour, North island tour
- Honeymoon freebies, watersports
- Travel insurance
- All taxes
KERALA
₹ 14,000
per person onwards
(inc. taxes)
THAILAND
₹ 30,000
per person onwards
(inc. taxes)
SINGAPORE
₹ 48,000
per person onwards
(inc. taxes)
EUROPE
₹ 89,000
per person onwards
(inc. taxes)
Why Insane Travelers?
✓ Vacations designed from scratch to suit your needs
✓ Designed by real travelers
✓ Best quality service with pocket friendly price
Email: holidays@insane.travel
Office Address: C-199, 60 Ft Road, Mahesh Nagar, Jaipur - 302015
83800 96282
www.insane.travel
(Reference: Gaurav Jain s/o Sh. Gopal Lal Jain, Hindaun City)

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers, Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures, RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per
IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission
PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

पांचवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

श्रीमती शिल्पी जी जैन

(6.7.1977 – 17.9.2013)

हम सभी परिवारजन आपके प्रेरणादायक चरित्र और जीवन का स्मरण करते हुए श्रद्धा पूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

श्रद्धावनत

पंकज जैन *(पति)*
कुनाल जैन *(पुत्र)*

मुन्नी देवी जैन
वीरेन्द्र कुमार–महारानी जैन
राजेन्द्र प्रसाद–कुसुम जैन
राधे लाल–विनोद जैन

पवन कुमार–नीरू
शालिनी–सुमित
प्रशम, ऋषभ, सारा

एवम् समस्त परिवारजन
सकतपुर वाले (आगरा)

सम्पर्क :
+91-9811793746, +91-9810013895
+91-9540729705

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

रिशान जैन

अर्ध्वलोकगमन

22 अप्रेल 2016 (यू.एस.ए.) - 9 नवम्बर (दिल्ली)
आप की याद कभी दिल से मिट नहीं पायेगी

श्रद्धावनत

महक जैन - आशीष जैन
(माता-पिता)

निशा जैन

दादा-दादी :
आर.के. जैन-शशि जैन
विनोद कु. जैन-शकुन्तला जैन

भाई, बहन :
आरव, गुनगुन

निवास : बी.सी-10 डी, डी.डी.ए. फ्लैट, मुनिरका, नई दिल्ली
मो.: 9811159909, 9810622840

41वीं पुण्य तिथि पर भावभीनी श्रद्धांजली

स्व. श्री लोकेश चन्द जी जैन, *भरतपुर*

(महाप्रयाण : 11 नवम्बर 1977)

41 वर्ष पूर्व हमारे परमपूज्य धर्मपरायण एवं यशस्वी पिताजी श्री लोकेश चन्द जैन

हमारे लिए अमिट प्रेरणा और महान आदर्श का मार्ग प्रशस्त कर स्वयं सदैव के लिए अमर हो गये। उनकी चिर स्मृति में हम उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पत्नी : त्रिलोकमती जैन

पुत्र-पुत्रवधू :

अनिल कुमार जैन (I.R.S.)
(प्रिन्सिपल कमिश्नर इन्कमटैक्स)
स्वाति जैन

अरविन्द कुमार जैन (X.EN)
कीर्ति जैन (R.Ac.S.)

पुत्री-दामाद :

मधु जैन - मुकेश जैन
सुधा जैन - नलिन जैन

पौत्र, पौत्री :

दिव्या-दिप्तर, निकेत-सृष्टि,
भुवन जैन, नेहन जैन

निवास : ई-160-161, रामपथ, श्याम नगर, जयपुर-302019
मोबाईल : 9829234340, 9414071750

(CR D-1821)

नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षण

शिक्षा का उद्देश्य क्या है ? केवल मात्र व्यक्ति को इतना योग्य बना दे कि वह आराम से जीवनयापन कर सके, भौतिक सुख सुविधा भोग सके या मनुष्य को यह सिखाए की जीवन कैसे जीना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल यह बताना नहीं कि पैसा कैसे कमाया जाए वरन् पैसे का उपयोग कैसे हो इसको समझाए। पैसा कमाने की शिक्षा तो बहुत से व्यावसायिक शिक्षणालयों में मिल जाती है परन्तु जीवन जीने की कला सिखाने वाली शिक्षा के लिए आध्यात्मवाद की आवश्यकता है। जैन धर्म की शिक्षा इसी आध्यात्मवाद की शिक्षा है। जैन धर्म की शिक्षा जीवन को कैसे जीना चाहिए इसकी शिक्षा है।

किसी देश और समाज को बदलना है तो सबसे पहले वहाँ की शिक्षण पद्दति में बदलाव जरुरी है। आज मनुष्य भौतिक कलाओं में बहुत विकास कर गया है परन्तु नैतिक और आध्यात्मिक रुप से कोई विकास नहीं हुआ है। बुद्धि से ऊँची–ऊँची डिग्रियाँ हासिल हो सकती हैं, बडे–बडे पद मिल सकते हैं। परन्तु यदि नैतिकता और आध्यात्मिकता का विकास नहीं है तो ये सारी डिग्रीयाँ और पद विनाश का कारण भी बन सकते हैं। जब जीवनदाता डॉक्टर नैतिकता विहीन होता है तो आदमी की किडनियों को भी बेच डालता है। जब कोई इन्जीनियर नैतिकता विहीन होता है तो सीमेंट की जगह रेत डालता है। ऐसे ही दुष्परिणाम वकील, अफसर, नेता या अन्य किसी के भी अनैतिक होने पर भोगने पड़ते हैं। यहाँ बात आती है कि इतना बुद्धिमान व्यक्ति, इतनी ऊँची डिग्री लिए हुए हो ऐसे कार्य कैसे कर सकता है। इसका कारण है कि उस व्यक्ति का मानसिक विकास तो हुआ है परन्तु नैतिक व आध्यात्मिक विकास में वह पिछड़ गया। बुद्धि का विकास तो हुआ परन्तु आत्मिक विकास नहीं।

मानव के नैतिक और आत्मिक विकास के लिए जैन सिद्धान्तों पर आधारित सूत्रों को निम्न प्रकार से उतारा जा सकता है–

1) मन, वचन, काय से ऐसा कोई भी कर्म न करना जिससे किसी दूसरे प्राणी को हानि पहुँचे। इस संसार में तीन प्रकार के प्राणी होते हैं। **उत्तम मनुष्य** वे होते हैं जो उस कार्य को करते हैं जिससे स्वयं का फायदा हो परन्तु साथ ही किसी को हानि भी न हो। **मध्यम श्रेणी** के मनुष्य वह कार्य करते हैं जिससे स्वयं को फायदा होता है भले ही दूसरे को इससे नुकसान हो। **अधम श्रेणी** के मनुष्य के कार्यों से भले स्वयं का फायदा हो या ना हो परन्तु दूसरों का नुकसान अवश्य होता है। जैन दर्शन में केवल उत्तम श्रेणी मनुष्य द्वारा किए गए कार्यों को ही प्रशस्त बताया है।

2) सत्य का प्रयोग मानव को छल–कपट, धोखे बाजी आदि सभी दुर्गुणों से दूर रखता है। सत्य से जीवन में पारदर्शिता आती है।

3) हमारे जीवन में अधिकांश झगड़ों का कारण है अनधिकृत चेष्टा करना। हम दूसरे की वस्तुओं को येनकेन प्रकारेण छीनना चाहते हैं। इस वृत्ति के विरोध के लिए अचौर्य व्रत की शिक्षा आवश्यक है।

4) आवश्यकता से अधिक संग्रह मनुष्य को भोगी–विलासी बना देता है और मानवीय लोभ–तृष्णा को जागृत कर और अधिक संग्रह की प्रवृत्ति को बढ़ा देता है। अनावश्यक संग्रह पर रोक के लिए अपरिग्रह व्रत की शिक्षा की आवश्यकता है।

5) काम मानव जीवन का आवश्यक अंग है। परन्तु काम सेवन नियंत्रित रूप से ही होना चाहिए। अनियन्त्रित काम–भोग नाश का मार्ग है। काम सेवन पर नियंत्रण के लिए ब्रह्मचर्य व्रत का पालन आवश्यक है।

6) जैन धर्म में मानव की आध्यात्मिक उन्नति के लिए दस धर्म बताए हैं– क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य, ब्रह्मचर्य। हमारे जीवन में प्रत्येक क्षण इन धर्मों की उपयोगिता नजर आती है। मानव जीवन सरल होना चाहिए, उसमें मधुरता होनी चाहिए। मानव अपूर्ण है इसलिए जीवन में गलतियाँ होती रहती हैं इसके लिए क्षमा धर्म का पालन आवश्यक है। मनुष्य को अपने व्यक्तिगत जीवन में सफाई के लिए शौच धर्म का पालन आवश्यक है। सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य धर्मों के पालन से आध्यत्मिकता का विकास होता है।

7) व्यावाहारिक जीवन में विभिन्न क्रियाओं को करने के दौरान सावधानी बरतने के लिए जैन दर्शन में समितियों की शिक्षा दी गई। चलते समय सावधानी बरतनी चाहिए यह ईर्या समिति है। बोलते समय सावधानी बरतनी चाहिए यह भाषा समिति है। संसार बोली पर चलता है। बोली मित्र बनाती है, बोली शत्रु बनाती है। मनुष्य को सदैव ध्यान रखना चाहिए किससे कितना और कैसा बोलना है। आदान–निक्षेपण समिति लेन–देन के दौरान सावधानी की बात कहती है। उत्सर्ग समिति मल–मूत्र त्याग के समय सावधानी बरतने के बारे में है। यह पर्यावरण संकट के समय में बहुत उपयोगी है। आज हमारी नदियों का जल प्रदूषित है क्योंकि कारखानों की गन्दगी उनमें मिल रही है। वायु दूषित है क्योंकि विषाक्त गैसें उसमें मिल रही हैं। व्यावहारिक रुप से दूषित पदार्थों का किस प्रकार निस्तारण किया जाए इसका संदेश देती है उत्सर्ग समिति । एषणा समिति खान पान पर नियंत्रण का उपदेश देती है।

8) जैन धर्म की शिक्षाओं में व्यावहारिकता का भी पुट है। अतिथि संविभाग व्रत का तात्पर्य है घर आये का स्वागत। अनर्थ दण्ड विरति व्रत का उपदेश है व्यर्थ की चेष्टाओं से मुक्त होना। इसमें किसी के बारे में बुरा सोचना, बुरा बोलना, बुरा करना, बुरा सुनने को रोकने का उपदेश दिया गया है।

9) आध्यात्मिकता के उत्थान के लिए बारह भावनाएँ हैं जिसका मनुष्य को निरन्तर पठन पाठन करना चाहिए। ये है– अनित्य, अशरण, संसार, एकत्व, अन्यत्व, अशुचि, आस्रव, संवर, निर्जरा, लोक, बोधिदुर्लभ और धर्मस्वाख्या।

सबसे बडा शिक्षक वो है जो जीवन में शिक्षाओं का पालन करता है। जैन धर्म के साधु–आचार्य उत्कृष्ट रूप से जैन शिक्षाओं का पालन करने के कारण वन्दनीय है। जैन साधु पंचव्रतों का महाव्रत के रूप में पालन करते हैं। इतने अहिंसक हैं कि चींटी भी ना मर जाए इसका ख्याल रखते हैं, इतने अपरिग्रही की कपड़े भी न्यूनतम या बिल्कुल नहीं, इतने ब्रह्मचारी की गलती से भी स्त्री छू जाए तो पश्चात्ताप। जैन साधु इन शिक्षाओं के पालन कर्ता जीवन्त उदाहरण है। इन शिक्षाओं को जो जितना अपने जीवन में उतारता है वह उतना ही आध्यात्मिकता की ओर उन्मुख होता जाता है। इससे यह संसार तो क्या भवसागर भी पार हो जाता है।

–डॉ. धीरज जैन

साभार : वर्तमान में वर्धमान

शाखा समाचार

इन्दौर शाखा द्वारा धार्मिक यात्रा संपन्न

इन्दौर शाखा के कुछ सदस्यों ने लघु धार्मिक यात्रा दिनांक 26.10.2018 से 28.10.2018 के बीच संपन्न की। सर्वप्रथम इन्दौर से शिवपुरी (म.प्र.) के लिए ट्रेन द्वारा प्रस्थान किया। सुबह 5:30 बजे पहुँच कर वाहन द्वारा खजुराहो हेतु रवाना हुए। स्टेशन से 13 कि.मी. की दूरी पर एक बहुत प्राचीन तीर्थक्षेत्र सेसई पहुँचे। प्रातः समय की नित्य क्रियाओं से निवृत्त होकर मंदिरजी की विभिन्न वेदियों पर विराजित तीर्थंकर भगवन्तों के दर्शन किये। चतुर्थकालीन प्रतिमा 1008 भगवान श्री शांतिनाथजी के दर्शन, पूजन, अभिषेक, शांतिधारा कर विशेष असीम आनंद की अनुभूति हुई। दिनांक 27.10.2018 शनिवार सुबह 10:30 बजे नाश्ता/स्वल्पाहार कर उत्साह के साथ खजुराहो प्रस्थान किया। सभी को उत्सुकता थी कि संत शिरोमणि परमपूज्य गुरुवर आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के अतिशीघ्र दर्शन लाभ प्राप्त हों। संध्या 5:30 बजे खजुराहो पहुँच कर आचार्यश्री जी के दर्शनार्थ हम सभी मंदिरजी पहुँचे। पुण्योदय से श्रद्धालुओं की भीड़ के बावजूद आचार्यश्री जी के प्रथम दर्शन लाभ प्राप्त कर असीम आनंद की अनुभूति हुई।

दूसरे दिन सुबह 5:30 बजे 108 आचार्यश्री विद्यासागरजी की गुरुभक्ति के समय पहुँच कर अच्छी तरह से दर्शन कर प्रसन्नता हुई। सुबह 9:30 बजे आचार्यश्री की सामूहिक संगीतमय पूजन में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आचार्यश्री के दर्शन व आशीर्वाद प्राप्त कर असीम आनंद की अनुभूति कर हम सभी धन्य हो गए। सभी वेदियों पर विराजित तीर्थंकर भगवन्तों के दर्शन किए। अत्यंत प्राचीन चतुर्थ कालीन प्रतिमा 1008 भगवान शांतिनाथ के दर्शन किये एवं अभिषेक देख कर विशेष प्रसन्नता की अनुभूति हुई।

12:30 बजे दोपहर दिनांक 28.10.2018 रविवार अति स्वादिष्ट भोजन करने के पश्चात् खजुराहो के अन्य दर्शनीय मंदिरों का अवलोकन किया। दोपहर 2:00 बजे खजुराहो से प्रस्थान कर संध्या 5:30 बजे तीर्थक्षेत्र करगुवाँजी (झाँसी) पहुँचे। मंदिरजी में विराजित अति सुन्दर भगवान की प्रतिमाओं के दर्शन किये। विशेषकर 1008 भगवान पार्श्वनाथजी के दर्शन कर गद्गद् हो गये। वहाँ विराजित 105 आर्यिकाश्री पूर्णमती माताजी के दर्शन व आशीर्वाद प्राप्त हुआ। संध्या स्वादिष्ट भोजन के पश्चात् झाँसी से शिवपुरी हेतु प्रस्थान किया। रात्रि 08:30 बजे शिवपुरी रेलवे स्टेशन पहुँच गये । रात्रि 10:30 बजे ट्रेन बोर्ड कर सुबह 07:30 बजे इन्दौर पहुँच कर सभी अपने–अपने निवास स्थानों पर सकुशल पहुँचे। इस प्रकार यह हमारी शाखा की लघु धार्मिक यात्रा आनंद के साथ संपन्न हुई।

शुद्धात्मा की प्राप्ति कैसे हो?

विषय रोचक है और शायद सभी जानते हैं कि किस प्रकार हम शुद्ध आत्मा की प्राप्ति कर सकते हैं परंतु हो नहीं पाती यह प्राप्ति, क्योंकि मन स्थिर नहीं है बल्कि चलायमान है और इस प्रकार अनेक विषय विकारों से भरा पड़ा है यह मन।

सबसे पहले तो हमें यह जानना है कि शुद्ध आत्मा कहते किसे हैं, शुद्ध अर्थात विशुद्ध , निर्दोष, विमल, किसी भी प्रकार की राग व द्वेष से रहित और आत्मा अर्थात चैतन्य गुण से समन्वित शाश्वत सत्ता जिसमें दर्शन, ज्ञान व चारित्र को प्राप्त करने की शक्ति हो और जो अजर–अमर हो। और इन दोनों को मिला देने पर बनती है 'शुद्धात्मा' अर्थात जो सर्व दोषों से रहित शुद्ध आत्मा है वही परमात्मा है।

अब परमात्मा बनने के लिए आत्मानुभव का होना अत्यंत आवश्यक है। आत्मा के बारे में जानना और आत्मा को जानना दो अलग–अलग कार्य हैं उपदेश, शास्त्र आदि के द्वारा हम आत्मा के बारे में जान सकते हैं लेकिन आत्मा को जानने के लिए उसका अनुभव करना अत्यंत आवश्यक है और इसको अनुभव करने में चक्षु आदि इंद्रियां उपयोगी नहीं है बल्कि केवल मन ही उपयोगी है।

आत्मा को जानने का ज्ञान प्रत्येक जीव में मौजूद रहता है, किसी में कम तो किसी में अधिक, परंतु यह हर हालत में प्रत्येक जीव में विद्यमान रहता है और आत्मा को अनुभव करने की क्रिया आत्मा के अंतरंग में स्वयं ही होती है इसके लिए बाहरी विकारों की आवश्यकता नहीं होती है और विकारों से दूर रहकर ही आत्मानुभव तक पहुंचना संभव है, अतः अंतरंग से पुरुषार्थ करके ही यहां तक पहुंचा जा सकता है परंतु इसके लिए शुभ अशुभ भावों अर्थात राग–द्वेष से भिन्न स्वयं के ज्ञान रूप को देखना होता है।

वस्तुतः हमने अपनी आत्मा की स्वाभाविक क्रियाओं को नहीं पहचाना है बल्कि विकारी परिणामों व शरीर आदि आश्रित क्रियाओं में ही अपनापन मान रखा है, शरीर के साथ अपनेपन की अनुभूति तो हो रही है लेकिन ऐसी गहन अनुभूति हमें आत्मा के साथ नहीं होती है– कहने का तात्पर्य यह है कि जिस प्रकार से शरीर से अत्यधिक लगाव व उसको अनुभव करते हैं यदि यही अनुभव हमें आत्मा के प्रति हो तो हमें निज आत्मा की अनुभूति होगी और हमें शरीर, परिवारी जन, धन दौलत, काम–क्रोध, राग द्वेष आदि भिन्न रूप दिखाई देने लगेंगे और शुद्ध आत्मा स्पष्ट दिखाई देने लगेगी जैसे बादल के छंटने से सूर्य दिखाई देता है, परंतु इसके लिए हमें विशेष पुरुषार्थ करने की आवश्यकता है।

जैसे हम जानते हैं कि दूध में घी है किंतु दूध में ना तो घी दिखाई देता है और ना ही घी को हम दूध में अनुभव कर सकते हैं। घी की प्राप्ति के लिए हमें दूध को गर्म करना, जमाना, बिलौना आदि विशेष क्रियाएं करनी पड़ती हैं। इसी प्रकार 'शुद्धात्मा' की प्राप्ति के लिए हमें ध्यान, तत्वों का श्रद्धान, स्व–पर के भेद विज्ञान पूर्वक आत्मानुभव करना पड़ेगा क्योंकि वहीं से ही वीतराग मार्ग प्रारंभ होता है।

अतः यह आवश्यक है कि हम सम्यक पुरुषार्थ करके बाहरी विकारों से अपना ध्यान हटाकर निज आत्मा के अनुभव में लगाएं और 'शुद्धात्मा' व अनंत सुख को प्राप्त करें।

–डॉ. रंजना जैन
बी–78/602, पर्ल पैशन
राजेन्द्र मार्ग, बापू नगर, जयपुर

आवश्यक सूचना

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका के सदस्यों को पत्रिका न मिलने/देरी से मिलने की सूचना प्राप्त होने पर डाक विभाग में शिकायत किये जाने पर डाक विभाग से जानकारी प्राप्त हुयी है कि सम्भवत: एक स्थान पर एक समान नाम के व्यक्तियों के होने से/पत्रिका में पते के साथ पिन कोड नं. न होने/गलत होने के कारणों से पत्रिका नियत समय नहीं पहुँच पा रही होगी। अत: समस्त सदस्यों से अनुरोध है कि आपके पते को सही/दुरस्त किये जाने हेतु आप निम्न जानकारी (अंग्रेजी Capital अक्षरों में)–

(1) सदस्यता संख्या, (2) सदस्य का नाम, (3) सदस्य के पिता/पति का नाम, (4) पता, (5) जिले का नाम, (6) राज्य का नाम, (7) पिन कोड नं., (8) दूरभाष नं. / मोबाइल नं.

संयोजक के पते पर लिखित में अथवा ईमेल द्वारा अवगत कराने का श्रम करावें।

-संयोजक

समस्त पाठकों से निवेदन है कि श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका हेतु वैवाहिक विज्ञापन, पते में संशोधन व अन्य प्रकाशनार्थ सामग्री व्हाट्सएप पर न भेंजे। समस्त सामग्री ई-मेल या पोस्टल डाक से ही भिजवायें।

महासभा सदस्यता

1. **श्री विजय कुमार जैन** पुत्र स्व. श्री रमेश चन्द जी जैन, ए–12, बालाजी पुरम, अलवतिया रोड, शाहगंज, आगरा *(र.सं. 4168)*
2. **श्रीमती अनीता जैन** पत्नी श्री विजय कुमार जैन, ए–12, बालाजी पुरम, अलवतिया रोड, शाहगंज, आगरा *(र.सं. 4169)*
3. **श्री अजय कुमार जैन** पुत्र श्री हरीश चन्द जैन, बीच–का–मोहल्ला, अलवर *(र.सं. 4308)*
4. **श्रीमती सुधा जैन** पत्नी श्री अजय कुमार जैन, बीच–का–मोहल्ला, अलवर *(र.सं. 4309)*
5. **श्री विक्रम कुमार जैन** पुत्र श्री अजय कुमार जैन, बीच–का–मोहल्ला, अलवर *(र.सं. 4310)*
6. **श्रीमती मधु कुमारी जैन** पत्नी श्री विक्रम कुमार जैन, बीच–का–मोहल्ला, अलवर *(र.सं. 4311)*
7. **श्री सुनील कुमार जैन** पुत्र श्री प्रेमचन्द जैन, दीवान हवेली, बीच–का–मोहल्ला, अलवर *(र.सं. 4312)*
8. **श्रीमती माया जैन** पत्नी श्री धरम चन्द जैन, ए–134, कर्मचारी कॉलोनी, अलवर *(र.सं. 4313)*
9. **श्री राहुल जैन** पुत्र श्री धरम चन्द जैन, ए–134, कर्मचारी कॉलोनी, अलवर *(र.सं. 4314)*
10. **श्रीमती शुची जैन** पत्नी श्री राहुल जैन, ए–134, कर्मचारी कॉलोनी, अलवर *(र.सं. 4315)*
11. **श्री अनिल कुमार जैन** पुत्र श्री गुलाब चन्द जैन, 2/324, एच.बी.के.के., अलवर *(र.सं. 4316)*
12. **श्रीमती पुष्पा जैन** पत्नी श्री अनिल कुमार जैन, 2/324, एच.बी.के.के., अलवर *(र.सं. 4317)*

पत्रिका सदस्यता

2883. Sh. Nitesh Ji Jain S/o Sh. S.C. Jain, A-41, Bhan Nagar, Queens Road, Jaipur-302021, Mob.: 9785002246 *(CR D-1901)*

2884. Sh. Puran Chand Ji Jain, Nahar Road, Shankar Mill, Near B.S.N.L. Office, Gangapur City, Dist. Sawai Madhopur-322201, Mob.: 9460031135 *(CR D-1902)*

2885. Sh. Ashok Kumar Ji Jain, Hitesh House, No. 22, Ground Floor, Kirti Nagar, Shyam Nagar, Sodala, Jaipur-302019 *(CR D-1903)*

2886. Sh. N.C. Jain, Village Post Jawali Via Khond, Dist. Pali-306119, Mob.: 6377146480 *(CR D-1904)*

2887. Sh. Nirmal Kumar Ji Jain, A-17C, Anupam Vihar, Balaji Residency, Gandhi Path (W), Vaishali Nagar, Near Nymph Academy, Jaipur-302021, Mob.: 9829180215 *(CR D-1905)*

2888. Sh. Dinesh Kumar Ji Jain, Near Nagar Palika, Opp. Babu Aasharamji School, Mohalla Bich-Purbiyana, Etmadpur, Dist. Agra-283202, Mob.: 9760035911 *(CR D-1906)*

2889. Sh. Sudhir Kumar Ji Jain, Hari Krishna Vihar Phase-I, Gas Godam Road, Kusum Khera, Haldwani-263139, Dist. Nanital (Uttarakhand), Mob.: 9719419308 *(CR D-1907)*

2890. Sh. Upendra Kumar Ji Jain, B-11, Ground Floor, Shri Tulsi Magic, Avadhpuri, Agra-282007, Mob.: 9319130110 *(CR D-1819)*

विधवा सहायता

★ **श्री अमीर चन्द जी जैन** (सेनि. आर.ए.एस) निवासी नहर रोड, गंगापुर सिटी ने अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती पुष्पलता जी जैन की अठ्ठाईसवीं पुण्यतिथि (स्वर्गवास तिथि 30.11.1990) पर उनकी पुण्य स्मृति में विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/– भेंट किये। *(र.सं. 4167)*

★ **श्री जगदीश प्रसाद जी, भागचन्द जी जैन** (नागल सहाड़ी वाले) 126, स्कीम नं. 4, अलवर ने अपने पूज्य पिताजी स्व. श्री विजय चन्द जी जैन (पटवार) की सप्तम पुण्यतिथि (स्वर्गवास तिथि 19.12.2011) पर उनकी पुण्य स्मृति में विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/– भेंट किये। *(र.सं. 305)*

★ **श्री अमित जी जैन** पुत्र श्री धरम चन्द जी जैन, आबू रोड ने अपनी माताजी श्रीमती रेखा जी जैन जिनका देहान्त दि. 10.09.2018 को हुआ, की स्मृति में रु. 12,000/– भेंट किये। *(र.सं. 301)*

★ **श्री सुभाष चन्द जी जैन** 188, स्कीम नं. 8, अलवर ने रु. 12,000/– भेंट किये। *(र.सं. 302)*

★ **श्रीमती शशि जी जैन, श्री सुधांश जैन,** 1/658, काला कुआ, अलवर ने अपने पति स्व. सुभाष चन्द जी जैन, की 9वीं पुण्यतिथि दि. 23.9.18 की स्मृति में रु. 6,000/– भेंट किये। *(र.सं. 303)*

★ **श्री भागचन्द जी जैन** ने अपने पूज्य पिताजी स्व. श्री शांति प्रसाद जी जैन की तृतीय पुण्य तिथि दि. 19.11.18 की स्मृति में रु. 12,000/– भेंट किये। *(र.सं. 304)*

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9899823557 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Santosh Mineral & Chemical Co.
★ S.B. Jain Mineral Enterprises
★ Super Fine Mineral Traders
★ Shree Vimal Silica Traders
★ Quality Silica Traders

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क : 098372-53305
090128-74922
05612-260096

तृतीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री विमल चन्द जी जैन

(प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय - से.नि., आगरा निवासी)

(जन्म : 06.09.1939 - स्वर्गवास : 25.11.2015)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना, धर्म के प्रति आस्था एवं प्रेरणादायक चरित्र हमारी स्मृति में सदा रहेगा एवं सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा। हम सभी आपको शत्-शत् नमन करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती संतोष जैन *(पत्नी)*

पुत्र-पुत्रवधु :
डॉ. पवन कुमार जैन-भारती जैन
कमल जैन-वर्षा जैन
पंकज जैन-दिव्या जैन

पौत्र, पौत्री :
आयुषी, दिव्यांश, हिमांशु,
कार्तिक, आन्या

पुत्री-दामाद :
सीमा जैन-अरूण जैन
अनिता जैन-राजेश सेठ
डिम्पल जैन-रवीश जैन

धेवते, धेवती :
आकांक्षा, स्वपनिका, करण,
कुनाल, सूर्यांश, शौर्य

समस्त सलावदिया परिवार

निवास : 8-9-152, धातु नगर, कंचनबाग, हैदराबाद
मोबाईल : 9849446456, 9849302009, 9810204976

CARGOMEN LOGISTIC (INDIA) PVT LTD, HYDERABAD
TMEN SYSTEMS PVT. LTD., NOIDA

44वीं पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन

स्व. श्री चिम्मनलाल जैन

मुबारिकपुर वाले

(समाज के कर्मठ कार्यकर्त्ता)

स्वर्गवास : 11.11.1974

आपने अपने अथक परिश्रम, त्याग, धर्मनिष्ठा, कर्तव्यपरायणता व सत्य आदर्शवाद से जो उच्च आदर्श स्थापित किये थे, हम उन्हें सर्वेस्य स्त्रोत मानकर आजीवन निभायेंगे। हम आपके आदर्शवादी जीवन को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
राजेन्द्र-मिथलेश
बिजेन्द्र-बीना
देवेन्द्र-मन्जू
राजेश-संतोष

भ्राता :
भगवान सहाय जैन
महावीर प्रसाद जैन

पुत्री-दामाद :
ऊषा-शीतल प्रसाद
आशा-अशोक कुमार

पौत्र-पौत्रवधु :
रूपेश-रजनी, विकास-सुनीता
गौरव-पूजा, मोहित-मनीषा
नितिश-दीपाशा, मनीष-बिन्दिया
गौतम

प्रपौत्र, प्रपौत्री :
सिद्धान्त, अरिहन्त, रिद्धी
सिद्धी, वैष्णवी, यश

पौत्री-पौत्री दामाद :
मुकेश
सोनिया-राहुल, गरिमा-गुंजन
डॉ. निमिषा-आधार, नेहा-जितेन्द्र
आयुषी, सानू

प्रतिष्ठान

- विजय जनरेटर एण्ड इलै. स्टोर (अलवर)
- जैना ट्रेडर्स, विकास इलैक्ट्रिकल्स (अलवर)
- जैन मशीनरी एण्ड जनरेटर (मुबारिकपुर)
- रिषभ जनरेटर, गर्वित फोटो स्टेट (मुबारिकपुर)

(CR D-1910)

With Best Compliments From

Authorised Distributor for

- ★ Johnson & Johnson Ltd.
- ★ SD. BIO SENSOR
- ★ Ortho Clinical Diagnostics
- ★ Lifescan-Division, for one touch Brand Glucometers & Strips.
- ★ Biorad Laboratories
- ★ Alere Medical
- ★ Transasia Biomedical Ltd.
- ★ LILAC Medicare

Sanjay Jain - Rajeev Jain

S.R. Enterprises

223, Bichoon Market, Kishanpole Bazar, Jaipur-302 003
Ph.: (O) 2322089, 2323903 (R) 2546017 • Fax : 0141-4022089
(M) +91-98290 12628, 94140 76265

पंचम पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन

स्व. आषीश जैन

जन्म दिनांक : 25.02.1976 - स्वर्गवास : 16.11.2013

'जिस प्रकार फूल बिना बगिया सूनी
तुम्हारे बिना घर सूना
घर का हर कोना तुम्हारी याद दिला कर
आँखों में नमी पैदा कर जाता''

हम सभी परिवार जन आपको शत शत स्मरण करते हुए अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

आपकी बेटी

आशिता जैन **अनिका जैन**

माता-पिता :
सुमन जैन-सतीश जैन
मो.: 9911590226, 9871116454

चाचा-चाची :
त्रिलोक जैन-राजेश्वरी जैन

छोटा भाई-भाभी :
आलोक जैन-सरगम जैन
मो.: 9818342405, 989924598
अवनी, प्रज्ञा

प्रथम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री प्रमोद कुमार जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्रीमती गिरिजो देवी एव स्व. महावीर प्रसाद जैन स्वतंत्रता सेनानी)

जन्मतिथि : *30.08.1955* ***स्वर्गवास :*** *दिनांक 15.11.2017*

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्मपरायणता, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक चरित्र सदैव हमारा मार्ग दर्शन करता रहेगा।

हम सभी आपको शत् शत् नमन करते हुये अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

आशा जैन (पत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
अभिषेक-प्रियंका जैन

बहन-बहनोई :
मिथलेश जैन-महावीर प्रसाद जैन

पुत्री-दामाद :
पूजा-शक्ति सिंह

पौत्री :
सिद्धांशी जैन

एवं
समस्त गोविन्दगढिया परिवार

निवास : 332, स्कीम नं. 10, विवेक विहार, अलवर
मोबाईल : 9413906591, 9261466845

सार्थक करें बुढ़ापे को

आंसू बहाकर न काटो यूं जिंदगी के दिन,
मुस्कराकर जीने से जिन्दगी का नूर खिलता है।
जिन्दगी की डायरी से, टेन्शन निकालकर रख दो,
वो शरीर और आत्मा दोनों का घाव करता है।

इंसान के बुढ़ापे का संबंध उसके तन की अपेक्षा मन के साथ अधिक होता है। अगर उसके मन में आशा, उत्साह, और उमंग हो तो वह सत्तर वर्ष की आयु में चालीस वर्षीय व्यक्ति की तरह क्रियाशील रह सकता है। नहीं तो निराशा और कुंठा से घिरा हुआ व्यक्ति चालीस वर्ष की उम्र में ही सत्तर के तुल्य हो जाता है। मजबूत मन का व्यक्ति, उम्र को जीत लेता है। महान दार्शनिक सुकरात सत्तर वर्ष की उम्र में भी मानव जाति के समक्ष अपने दर्शन का परायण किया करते थे।

मन का युवा होना जरूरी है। मन डूबा तो नाव डूबी। जो लोग बुढ़ापे को कारागार समझते है या चार दीवारी से रह संघर्ष करते हैं उनसे कहना चाहती हूं कि वे बुढ़ापे को जीवन का स्वर्ण–शिखर समझे। प्रकृति की अवस्था के अनुसार जिनका जन्म हुआ है उन्हें मृत्यु के द्वार से गुजरना ही पड़ता है। जो फूल खिलता है उसे मुरझाना भी पड़ता है। धरती पर आज तक कोई ऐसा नहीं आया जब सूरज उगा हो, पर अस्त न हुआ हो, संयोग के साथ वियोग भी है। अगर व्यक्ति, प्रकृति की इस व्यवस्था को प्रेम से स्वीकार कर ले तो उसके जीवन की आपाधापी खुद समाप्त हो जायेगी।

व्यक्ति की 80 प्रतिशत समस्याऐं तो प्रकृति की व्यवस्था को स्वीकारते ही कम हो जाती है। जीवन को सहजता से जीना ही जीवन की सार्थकता और सफलता का मंत्र हे। हम बुढ़ापे को समस्या न समझे। बुढ़ापा समस्या नहीं है यह नैसर्गिक शारीरिक प्रक्रिया है। व्यक्ति ज्यों–ज्यों वृद्ध होता है उसके अंदर अशांति, उद्वेग, तनाव और असुरक्षा की भावना हावी होती जाती है। बचपन में अज्ञान और अवोधता रहती है। युवावस्था में अशांति, उद्वेग, तनाव और असुरक्षा की भावना हावी होती जाती है बुढ़ापे में परिग्रह और असुरक्षा सबसे अधिक रहती है। मेरी समझ में बुढ़ापा, अशांति और असुरक्षा का पड़ाव नहीं है, वरन् शांति का धाम है। आपने अपने जीवन को कैसा जिया, बुढ़ापा उसकी परीक्षा है। अगर आप बुढ़ापे को समस्या समझोगे तो हर उम्र एक समस्या है। बुढ़ापा न कोई रोग है, न अभिशाप, बुढ़ापा तो शांति, मुक्ति, समाधि का द्वार है बुजुर्ग व्यक्ति तो परिपक्वता की निशानी है वह ज्ञान और अनुभव का विशाल भंडार है। वह जो जीवन के उपन्यास का सार है, उपसंहार है बुढ़ापे से वही व्यक्ति घबरायेगा जिसने बचपन और यौवन दोनों को कचरा पेटी में डाल दिया। बुढ़ापे में बाल सफेद हो जाते हैं सफेद बाल निवृति के प्रतीक है। बाल सफेद हो गये यानि भोग और भोजन पूरा हो गया। अब नयी यात्रा शुरू करे। अब संसार के पचड़े छोड़ो और स्वाध्याय, सत्संग, प्रभु भजन और आत्मध्यान में खुद को समर्पित करो सोचो, अगर अभी न किया तो क्या मरने के बाद में करोगे दो मुट्ठी राख होने के बाद ? अपने बूढ़े तन में भी मन को मजबूत करो और शेष जीवन को पूरा सार्थक और आनंद भाव से जीकर जाओ। बुढ़ापे को लेकर रोओ मत, बुढ़ापे को सार्थक करो। हमारा बुढ़ापा स्वस्थ्य भी हो, सार्थक भी हो, सुरक्षित भी हो और दूसरों के लिए आदर्श भी हो। यह जरूरी है। बुढ़ापे में हमें किन किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है इसकी तैयारी अभी से कर लो। हम 90 वर्ष की उम्र में भी युवा रह सकते है लेकिन सयंमित जीवन जीने से, संतुलित और शुद्ध आहार, उचित व्यायाम और प्रातः कालीन भ्रमण करते हुये हर आयु में स्वस्थ्य एवं युवा बने रह सकते है। मन कभी बूढ़ा नहीं होता। स्वयं को बूढ़ा मानना छोड़ दों जब तक जियेगे ऊर्जा से जियेगे। जीवन के अंतिम क्षण तक ऊर्जा, उत्साह और उमंग बनाये रखेंगे। जो ऐसा नहीं जी पाते हैं उन्हें बुढ़ापे की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

बुढ़ापे में सबसे पहली समस्या शारीरिक होती है। स्मरण शक्ति कम हो जाती है। दृष्टि कमजोर हो जाती है। दांत गिरने लगते है रक्तचाप असामान्य रहने लगता है। सांस फूलने लगती है पाचन शक्ति घट जाती है। कमर भी झुकने लगती है, हाथ में लाठी आ जाती है। घुटने दर्द करने लगते हैं, मस्तिष्क की शक्ति क्षीण हो जाती है, सहनशीलता कम हो जाती है। वृद्धावस्था में तीसरी समस्या पारिवारिक होती है। क्योंकि परिवार में बड़े लोगों की इज्जत करने वाले कम लोग होते हैं। बच्चे भी घर में बुजुर्गो के साथ सहयोग करे। बूढ़ों की केवल एक ही ख्वाहिश होती है कि बुढ़ापे में बेटा उनका सहारा बन जाए। बुढ़ापा बचपन का पुनरागमन होता है तभी तो युवा और बुजुर्ग एक दूसरे के लिए सार्थक होते है। इसी बहाने उनका हमारे उपर रहने वाला फर्ज कुछ कम हो सकेगा। कम से कम उतने वर्ष तक तो उनकी अंगुली थामे जितनी उन्होंने बचपन में हमारी थामी थी। यह न समझे कि आप केवल अपनी मेहनत के बलबूते पर पनप रहे हैं जितनी आपकी मेहनत है उससे कही अधिक आपके माता–पिता का आर्शीवाद है जो आप प्रगति की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं, सब उनकी ही दुआ का फल है। यह समझें, मां बाहर से ही नहीं अंदर से भी सुन्दर होती है जिसका मां जैसा सुन्दर गुलदस्ता हट जाये तो समझना दुनिया के जितने भी फूल बाग–बगीचे में है एक भी फूल मां से ज्यादा सुंदर

नहीं खिल सकता। तुम्हारी ये सम्पदा मां–बाप के बिना दरिद्रता है।

आज की पीढ़ी बहुत समझदार हो गयी है पर जितनी समझदार हुयी है उतनी ही अनपढ़ है मां बाप के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं मानो उनके सामने वे मूर्ख है बच्चों को लगता है कि उन्होंने जो कह दिया वह अप–टूडेट है। मां बाप जो कहते हैं वह तो आउट ऑफ डेट है। लेकिन याद रखो, जो बुढ़ापा आज उन्हें है कल वह तुम्हें भी होगा। बुढ़ापा सभी को आने वाला है। बुढ़ापे की चौथी समस्या आर्थिक होती है बूढ़े आदमी के पास धन है तो बच्चे भी सेवा करेंगे और बच्चे न भी करे तो धन के द्वारा वह खुद अपनी व्यवस्था बैठा सकता है।

हम अपने बुढ़ापे को कैसे आरोग्यमय बना सकते है। उसे हम कैसे सार्थकता का आयाम दें और किस तरह जी सकते है इस हेतु कुछ सूत्र है। बुढ़ापे को दूर करने का पहला मंत्र बुढ़ापा स्वस्थ्य और निरोगी हो। हम शरीर और मन से स्वस्थ्य रहें इसके लिए जरूरी है– सदा सात्विक, संकलित और सीमित आहार लीजिये। संतुलित आहार आपको निरोगी बनायेगा जैसा आप भोजन करेंगे वैसा ही रक्त, वैसा ही भाव, वैसी ही ऊर्जा उत्पन्न होती है। बीमारियों का रास्ता पेट से होकर गुजरता है। स्वस्थ्य रहने के लिये आप प्राणायाम अवश्य कीजिये। प्रातःकालीन भ्रमण करना चाहिये। सरल, सहज योग करें रात्री में नींद लीजिये। नींद उतनी आवश्यक है जितना शरीर के लिये भोजन। व्यर्थ की चिंता में नींद न गंवाये, दिमाग पर बोझ न रखे। जो हो रहा है उसे होने दे। बुढ़ापे में पन्द्रह दिन में एक उपवास जरूर करें जिससे हमारे शरीर में जो दूषित बने है या जमा हो रहे है वे निकल जाये। स्वस्थ्य रहने का अन्य उपाय है। ताली बजाये, हाथों में ऊर्जा का प्रसाद महसूस करे। एक बात ध्यान देने योग्य है आप सदा गतिशील और क्रियाशील हरे। बूढ़े हो गये तो इसका मतलब यह नहीं कि अब आप कार्य नहीं करेंगे वृद्धावस्था में भी अपनी सक्रियता बनाये रखे। जहां तक बने अपना काम स्वयं अपने हाथों से करें। स्वयं को क्रियाशील बनाये रखने के लिए आप कोई भी कार्य अपना सकते हैं। आप जितनी भी धार्मिक क्रियायें करेंगे। आपका बुढ़ापा सेवामय, स्वस्थ्य और सुखी होगा। घर में रहते हुये, ध्यान पूर्वक वृद्धावस्था बिताये। खाली दिमाग शैतान का घर होता है, कुछ न कुछ करते रहोगे तो स्वरूप रहोगे और मन भी लगा रहेगा।

''हिम्मत न हारियो, प्रभु ना बिसारियो
हंसते–मुस्कराते हुई जिंदगी गुजारिये।''

जीवन में हिम्मत बनाये रखिये। दुनिया में सारा चमत्कार हिम्मत का ही है। हिम्मत है तो जीवन है, हिम्मत नहीं तो जीवन नहीं। वास्तव में जीवन तो प्रभु का प्रसाद है। इसे गोल्ड की तरह सुनहरा बनाइये।

–श्रीमती सन्तोष जैन
102/117 जय–पारस, मीरा मार्ग मंदिर, मानसरोवर, जयपुर

सकारात्मक सोच अपनाएं?

किसी भी कार्य की सफलता हेतु प्रत्येक मानव में सकारात्मक सोच का होना अतिआवश्यक है। आज हमारी मानसिकता नकारात्मक हो गयी है, जिससे अनेकों समस्याऐं उत्पन्न हो रही हैं। बिखरे परिवारों को एक सूत्र में बांधने के लिए, टूटते रिश्तों को बचाने के लिए सकारात्मक सोच का होना बहुत जरूरी है।

आधे गिलास में पानी भरा हुआ है और आधा खाली है, सकारात्मक सोच वाला व्यक्ति आधे भरे का जिक्र करेगा। अगर हम मिलने वाले प्रत्येक व्यक्ति में उसके गुणों का ही अवलोकन करेंगे तो हमें कभी भी किसी के प्रति घृणा व नफरत व बैर नहीं होगा। किसी के प्रति पूर्वाग्रह रखने वाला व्यक्ति हमेशा बदले की भावना से ही कार्य करेगा जो उचित नहीं है। बुराई के भावना से कार्य करने से कभी जीत नहीं होगी। आपकी प्रसन्नता इस बात पर निर्भर करती है कि तुम कौन हो, क्या सोचते हो, जरूरी नहीं कि सामने वाला भी वही सोचे उसके विचारों व भावनाओं का सम्मान करो विजय अपने आप मिलेगी। 90 प्रतिशत समस्याओं का समाधान सकारात्मक सोच में है। आज की भागदौड़ की जिन्दगी में किसी विद्वान का यह कथन हमारे लिए बहुत ही प्रेरणादायक है–

''कार्यशीलता की सौ गलतियां निकम्मेपन की हजार अच्छाईयों से बढ़कर है क्योंकि गलतियों को सुधारने का सामर्थ्य है, परन्तु निकम्मापन तो उन अच्छाईयों को भी कायम नहीं रख सकता।''

हमारी किसी से कुछ अपेक्षाएं पूरी नहीं हो रही तो हो सकता है उसकी कुछ मजबूरी रही होगी ऐसा सोचें। अगर हमारा कोई काम नहीं हो रहा हो तो ये ना सोचे कि हमसे होगा नहीं, बल्कि ये सोचे कि इसमें कुछ और सुधार की आवश्यकता है क्या पता ये ज्यादा अच्छे से होना होगा इसलिये अभी नहीं हो रहा है। उसमें वापिस से लग जायें सफलता अवश्य मिलेगी।

इतिहास में ऐसे अनेकों उदाहरण है, बचपन में अभावों में रहने के बावजूद अनेकों महापुरुषों ने सफलता के सोपानों को प्राप्त किया। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी, डॉ. अब्दुल कलाम जी, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी, विवेकानन्द जी आदि अनेकों विभूतियां है।

सदैव याद रखे, हम किसी का कुछ बिगाड़े नहीं, निःस्वार्थ भाव से कार्य करते रहे, हमारा कुछ नुकसान नहीं होगा। हमेशा मेहनत व पुरुषार्थ करते रहे, नकारात्मक को हावी न होने दे, सकारात्मक सोच अपनाएं।

(सोच ही आपके सुख–दुःख का कारण है)

–मंजू जैन
71/7, मानसरोवर, जयपुर

षष्ठम पुण्य स्मृति में

जन्मतिथि :
31-12-1932

स्वर्गवास :
23-11-2012

स्व. श्री अनूप चन्द जी जैन

हम सभी परिजन आपके उच्च विचारों तथा आदर्शों को अपने जीवन में उतारने के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे।

श्रद्धावनत

श्रीमती लक्ष्मी देवी जैन
(धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधू :
शैलेन्द्र जैन-सपना जैन
अनिल जैन-रीता जैन
सुनील जैन-अनीता जैन

पौत्र, पौत्री :
अंकिता-गौरव *(पौत्री-दामाद)*
दक्षिता-मोहित *(पौत्री-दामाद)*
अंशुल जैन-पूजा जैन *(पौत्र-पौत्रवधु)*
अमन जैन-सोनम जैन *(पौत्र-पौत्रवधु)*
आकाश जैन, शुभम जैन

भाई :
स्व. श्री निर्मल जैन-विमला जैन
स्व. श्री जगदीश जैन-स्व. प्रमिला जैन
श्री प्रमोद जैन-मधु जैन
श्री विनोद जैन-ममता जैन

फर्म :
डेल्टा कम्प्यूटर्स
संजय पैलेस, आगरा

बहन-बहनोई :
शान्ति जैन-ओम प्रकाश जैन

दामाद-पुत्री:
राकेश जैन-रेनू जैन
राजीव जैन-अंजू जैन

दोहती, दोहते :
रागिनी-रितेश
अंकेश जैन, रचित जैन,
दृष्टि जैन

परपौत्री :
रूही जैन

निवास स्थान :
सी-3, केदार नगर, शाहगंज, आगरा (उ.प्र.)
मो.: 0562-2210181, 09837890450

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री सुमेर चन्द जी जैन

(स्वर्गवास : 16.10.2018)

हम सभी परिवारजन आपके प्रेरणादायक चरित्र और धार्मिक जीवन का स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती राजकुमार जैन
(धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
सुरेन्द्र कुमार जैन-सरिता जैन
सुधीर कुमार जैन-रश्मि जैन
दिनेश कुमार जैन-रक्षा जैन
गिरीश जैन-रितु जैन

पुत्री-दामाद :
रीता जैन-स्व. हरीश मोहन जैन
नीता जैन-प्रदीप कुमार जैन
सुनीता जैन-स्व. विजय कुमार जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
पीयूष जैन-दीक्षा जैन

पौत्र, पौत्री :
आयुष जैन, हर्ष जैन, रिषभ जैन,
नमन जैन, कृति जैन, ख्याति जैन,
गरिमा जैन, तनिशा जैन, सुनैना जैन

एवं समस्त परिवार जन सनौरा वाले (आगरा) उ.प्र.

निवास : 11 सी/383, ज्वाला नगर, ट्रॉंस यमुना कॉलोनी, रामबाग, आगरा
मोबाईल : 7895973374, 9719419308, 9760067601, 9897111011

प्रतिष्ठान :

देवी सिंह जू.हा. स्कूल, *ट्रॉंस यमुना, आगरा*
गिरीश एण्ड कम्पनी, *पथवारी, बेलनगंज, आगरा*
नमन लेमीनेशन, *पथवारी, आगरा*
नमन इन्टरप्राइजेज, *पथवारी, बेलनगंज, आगरा*

षष्ठम् पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री रमेश चन्द्र जी जैन

(समाज के कर्मठ कार्यकर्ता)

(13-05-1938 - 03-11-2012)

कुछ अधूरे सपनों को छोड़कर आप अचानक ब्रह्मलीन हो गये। आपकी लगनशीलता, कर्मठता और धर्म के प्रति आस्था हमारे लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगी, परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि हमें आपके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती रहे।

श्रद्धावनत

श्रीमती कमलेश जैन
(धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
पवन-शारदा
प्रमोद-लवली
विनोद-नीलम
संतोष-सुषमा

पौत्र-पौत्रवधु :
पंकज-भूमि
नीरज-सपना

पौत्र, पौत्री :
विशाल, विवेक,
विकास, सोना,
आयूषी, तनू,
रिया, युवान

पुत्री-दामाद :
आशा-अजीत
रेखा-गिरीश

पोती-दामाद :
आरती-डॉ. मनोज
भावना-राहुल
मोनिका-आशीष

प्रतिष्ठान :
पवन जनरल स्टोर, अछनेरा
जैन बुक कम्पनी, अछनेरा
जैन सेल्स एजेन्सीज, अछनेरा

निवास स्थान :
म.नं. 2262, 63 मो० रठिया, भरतपुर रोड, अछनेरा (आगरा)
मो.: 8909976072, 9897016695, 9998457035, 9411600824

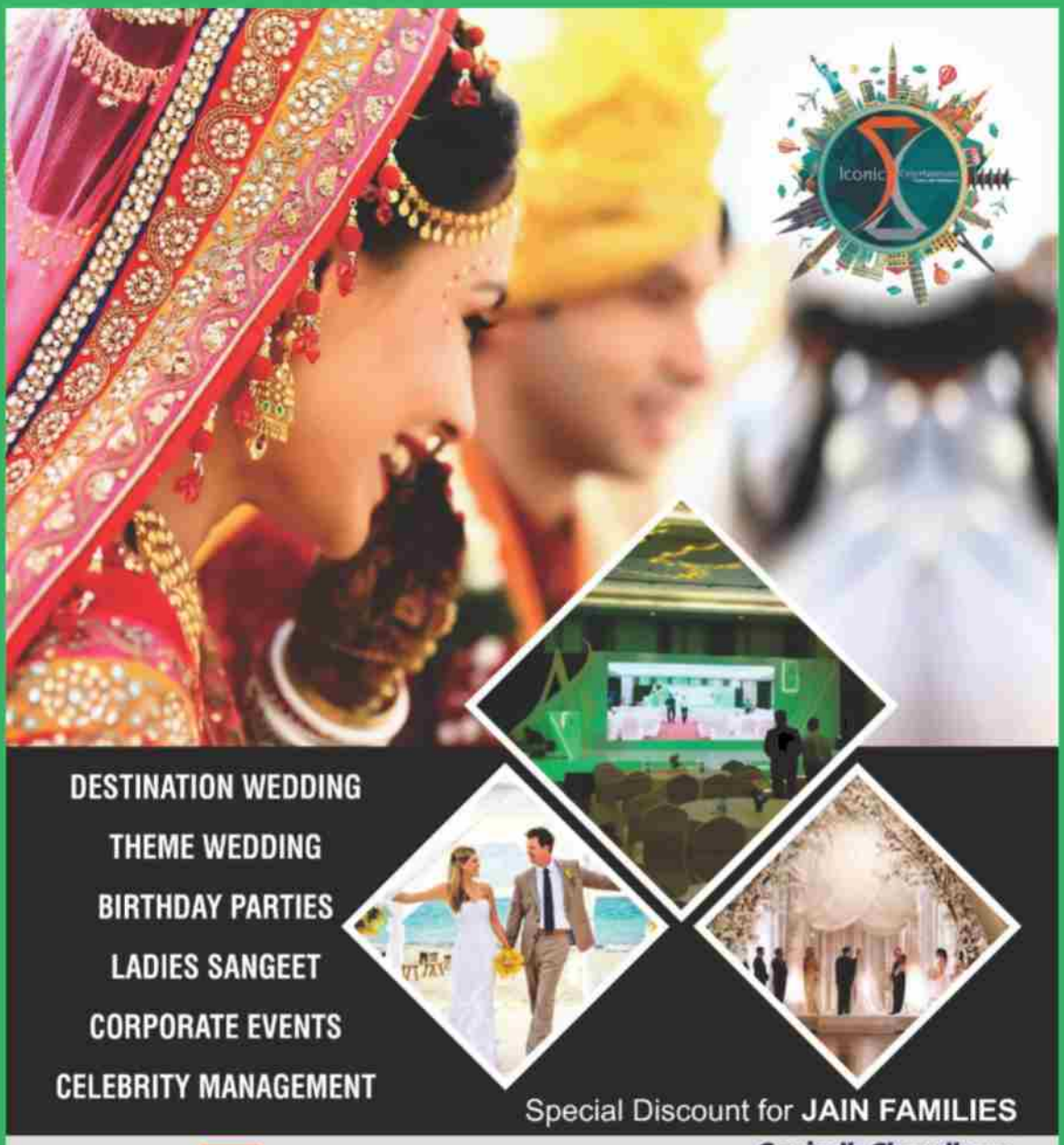

DESTINATION WEDDING
THEME WEDDING
BIRTHDAY PARTIES
LADIES SANGEET
CORPORATE EVENTS
CELEBRITY MANAGEMENT
Special Discount for JAIN FAMILIES
Govindh Choudhary
+91-96101 06312
Gaurav Jain
+91-92510 12772
Iconic Entertainment
Events with intellegence
Weddings and Corporate Events
mail : hello@iconicentertainment.in WEB : www.iconicentertainment.in

(CR D-1805)

Shubham Jain
9173803117

NAKODA FABRICS

Knitted Fabrics Dealer

42/43, Opp. Shiv Sagar Appartment, B/h. Arya Samaj Building, Saijpur Bogha, Ahmedabad-382345

Rajendra Jain
9924222840, 8866753872

NAKODA SALES

Mfg. of : Under Garments

42, Vikas Estate, Anil Starch Mill Road,
Bapunagar, Ahmedabad-380024

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री सतीश चन्द्र जी जैन
(स्वर्गवास 25.12.2005)

स्व. श्रीमती कमला देवी जी जैन
(स्वर्गवास 22.12.1999)

हम सभी परिवारजन आपको शत्-शत् नमन एवं स्मरण करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
राज जैन - सुनीता जैन

पौत्र, पौत्री :
नोनीष जैन, आयुषी जैन

पुत्री-दामाद :
रेनू जैन - कुलदीप जैन
राखी जैन - रविन्द्र कुमार जैन
(सदस्य- राज्य का.स., अभिनव राजस्थान पार्टी)

दोहिता-दोहिता वधु :
उत्सव जैन - सुनीता जैन

दोहिते, दोहिती :
अभिषेक जैन, अव्यव जैन,
सम्यक जैन, दर्शना जैन

निवास

एल.आईजी. 35, ब्लॉक 2, कैलाशपुरी, आगरा-मथुरा रोड, आगरा (उ.प्र.)

वैवाहिकी

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **भावना जैन** पुत्री श्री पवन कुमार जैन, जन्मतिथि 24.10.1990, कदः 5'–3'', शिक्षाः एम.एस.सी, बी.एड, व्यवसाय– टोरेन्ट पावर लिमिटेड, आगरा, गोत्र : स्वयं– खैर, मामा– कोटिया, सम्पर्क : 58ए/43, ज्योति नगर, खेरिया मोड़, आगरा, मोबाइलः 9456818282, 9411203010, ईमेलः bharatjain85@gmail.com *(सितम्बर)*

★ **डॉ. अदिती जैन** पुत्री श्री विमल चन्द जैन, जन्मतिथि 19.10.1987, कदः 5'–3'', शिक्षाः एम.बी.बी.एस., एम.डी. एनेस्थीसिया, आई.डी.सी.सी.एम., कार्यरत– मनीपाल हॉस्पीटल, जयपुर, गोत्र : स्वयं– कोटिया, मामा– चौधरी, सम्पर्क : 43, जय नगर, रोड नं. 3 के सामने, विश्वकर्मा इन्डस्ट्रीयल ऐरिया, जयपुर–302039, मो.: 9829016524, व्हाट्सएप नं.: 9829189246 *(अक्टूबर)*

★ **करिश्मा जैन** पुत्री श्री हेमराज जैन, जन्मतिथि 09.07.1994, कद : 5फीट, गोरा रंग, शिक्षा : बी.ए., एम.ए. अध्ययनरत, गोत्र : स्वयं– चौधरी, मामा– नंगेसुरिया, सम्पर्क : महावीर प्रसाद 9818560038, हेमराज जैन 9873197440 *(अक्टूबर)*

★ **Yogita Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh. Devendra Kumar Jain, DoB 10.01.1994 (at 07:45 am, Bayana), Height: 5'- 3", Education- B.Tech, Gotra: Self- Vaid Bhagauria, Mama- Maimooda, Contact : Roopbas, Distt.- Bharatpur, Mob.: 9414973758, 7976440639, Email: dkjain2194@gmail.com *(Sep.)*

★ **Nitasha Jain** D/o Sh. Rajesh Kumar Jain, DoB 05.07.1993 (at 01:45 am, Shivpuri), Height: 5'- 4", Education: B.Com, MBA, Occupation: Worked at Bharti Airtel, Currently working as TCS, Gotra: Rajoriya, Mob.: 9425765937, 9993978225, 9926689177 *(Sep.)*

★ **Akansha Jain** D/o Sh. Vinay Kumar Jain, DoB 05.04.1989 (at 06:30 am), Height: 5'- 4", Education- M.Com, Occupation: Goldie Masale Finance Deptt., Contact : 84/63, H. No. 202, Tejab Mill Campus, Kanpur, Mob.: 9794407171 *(Sep.)*

★ **Megha Jain** (Manglik) D/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 23.07.1993 (at 10:20 am, Alwar), Fair Complexion, Education- B.Com, Pursuing CA Final, Gotra : Self- Athwarsia, Mama- Ambia, Contact : FN 001, Galaxy Appartment, New Friends Colony, Jaipur Road, Alwar, Mob.: 9413025049, 7014958699 *(Sep.)*

★ **Yogita Jain** D/o Sh. Santosh Kumar Jain, DoB 20.08.1991, Height 5'-1", Education- B.A., B.Ed, M.A., Working as a Contract Teacher (Maths) in Delhi Govt. School, Income- 32000/- per month, Gotra : Self- Barwasia, Mama- Bhorandangya, Contact : 204/A-2, West Central Railway Colony, Tuglakabad, New Delhi, Mob.: 9718388983, 8851597897, Email : jsantosh0961@gmail.com *(Sep.)*

★ **Ruchi Jain** D/O Sh. Surendra Jain, DoB 01.12.1994 (at 4:13 am, Ahmedabad), Height 165 cm, Fair Complexion, Education- B.Tech, Occupation- Bussiness Associate in Bank of Baroda, Gotra : Self- Kherastiya, Mama- Athwarsiya, Contact : A-49, Tejendra Nagar Part 2, Near Sona Nagar, Chandkheda, Ahmedabad, Mob.: 7359281129, Email : paruljain1690@gmail.com, surendrajain 6064@gmail.com

★ **Anshu Jain** D/o Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 06.12.1991 (at 1:15 PM, Kota), Height 5'-2.5", Education- B.Tech., M.Tech., Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kathumaria, Contact : 36, Basant Vihar Special, Behind Modi College, Kota- 324009, Mob.: 9829242662, 6376463993, Email : pawankumarjain56@yahoo.com *(Sep.)*

★ **Shipra Jain** D/o Sh. Narendra Kumar Jain, DoB 23.03.1992 (at 12:30, Alwar), Good Looking, , Height 5'-4", Education- B.Com, JBT, M.Sc., MCA, Working in Bank Gurgaon, Gotra : Self- Balanwasia , Mama- Badaria, Contact : 215/3, Gopal Nagar, Gurgaon (Haryana), Email : nkjain1012@yahoo.com, Mob.: 9015993930 *(Sep.)*

★ **Deepti Jain** D/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 15.03.1992 (at 7:15 am, Agra), Fair Colour, Height 5'-2", Education- M.Phill, MA & B.Ed, Occupation- Asstt. Teacher in Lt Grade, Government Inter College, Mathura, Gotra : Self- Bhadarwasia, Mama- Badwasia, Contact : 43/224, Jain Gali, Sikandra, Agra, Mob.: 8445590908, 9837689334, Email : ashumdj1990@gmail.com *(Sep.)*

★ **Akansha Jain** D/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 14.02.1990 (at 2:00 am, Alwar), Height 5'-2", Education- M.Sc. (Physics), B.Ed, Occupation- Lecturer in KCRI College, Alwar, Gotra : Self-

Rajoriya, Mama- Choudhary Mastdangiya, Contact : 9460065933, 9414021171 *(Oct.)*

★ **Mradula Jain** D/o Sh. S.K. Jain, DoB 24.01.1989, Height 5'-5", Fair Colour, Education- B.Com., C.A., Occupation- Accounts Officer (Govt.) Posted at Jaipur, Salary- 75,000/- p.m., Gotra : Self- Bayaniya, Mama- Ameshwari, Contact : Sh. S.K. Jain, Advocate, Murlipura Scheme, Bank Colony, Jaipur, Mob.: 9829200877, 9928982101 *(Oct.)*

★ **Seema Jain** D/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 06.03.1990 (at Jaipur), Height 5'-2", Education- M.C.A., Gotra : Self- Belanavasia, Mama- Bhatariya, Contact : B-34, Karamohan Colony, Alwar, Mob.: 7891002125, 9461774268, Email : jain2218@gmail.com *(Oct.)*

★ **Shaily Jain** D/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 25.09.1993 (at 8:20 pm, Abu Road), Height- 5'-4", Education- B.Tech, CS Jaipur, Occupation- Sr. Software Engineer, JP Morgan Bangalore, Package 12 LPA, Gotra : Self- Lohkarodiya, Mama- Vaidyaverasthak, Contact : Near Mahaveer Takies, B-3, Ambedkar Colony, Abu Road, Distt. Sirohi, Mob.: 8003893899, 9828122923, 9413436435 (Alwar), Email : prakash.chand.jain2@sbi.co.in *(Oct.)*

★ **Archana Jain** D/o Sh. Sumer Chand Jain, DoB 11.11.1989 (at 5:30 am, Alwar), Height- 5 ft., Education- M.A. (Hindi), B.Ed., Gotra : Self- Sangarwasiya, Mama- Chaudhary, Contact : 213, Vivek Vihar, Scheme No. 10A, Distt. Alwar-301001, Mob.: 9982154002, 9982993200 *(Oct.)*

★ **Arpita Jain** D/o Shri Parshav Kumar Jain, DoB 22.07.1991 (at 7:02 AM, Agra), Height- 5'-1", Education- M.C.A., Working as an IPhone Developer in Jaipur, Gotra : Self- Kashmeriya, Mama- Salavadiya, Contact : 87, Scheme No. 4, Alwar, Mob.: 9414640772, 8005534044 *(Oct.)*

★ **Umang Jain** D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 19.12.1991 (at Alwar), Height- 5'-6", Gotra : Self- Rajnayik, Mama- Rajoriya, Education- M.A, B.Ed (Sanskrit, Home Science), Working as Private Teacher, Contact : Swastik Generator House, Munshi Bajar, Alwar, Mob.: 8094417002 *(Oct.)*

★ **Seema Jain** D/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 06.03.1990, Height- 5'-2", Education in CA, Gotra : Self- Belanvasia, Mama- Bhatariya, Contact : B-34, Ashok Vihar, Karamchari Colony, Alwar, Mob.: 7891002125, 9461774268, Email : jain2218@gmail.com *(Nov.)*

★ **Surbhi Jain** D/o Sh. Trilok Chand Jain, DoB 14.03.1993 (at 8:30AM, Mandawar Mahuwa Road, Dausa), Height- 5ft., Education B.Com and PGDBO, Working in Axis Bank, Vapi as Asst. Manager, Gotra : Self- Badwasia, Mama- Baderia, Contact : P-705, Phase-5, Pramukh Vihar, Silvassa, D&NH, Mob.: 9924284699, 9460990201 *(Nov.)*

★ **Pinky Jain** D/o Sh. Anil Jain, DoB 12.11.1994 (at 9:48am), Height 5'-1", Education- M.Sc. (Botany), Gotra : Self- Chandpuria, Mama- Lohkarodia, Contact : B-33, Janakpuri New, Shahganj, Agra, Mob.: 9897012342 *(Nov.)*

★ **Komal Jain** D/o Sh. S.K. Jain, DoB 10.02.1991, Height 5'-4", Education- M.Com., CS, Occupation- Mayur Unicoators Ltd. Jaipur as Company Secretary, Gotra : Self- Chaudhary, Mama- Athwarsia, Contact : 91/16, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9530026423 *(Nov.)*

★ **Tanvi Jain** D/o Sh. Devendra Kumar Jain, DoB 21.06.1993 (at 10:10 am, Jhansi), Height- 5'-3", Fair complexion, Education- MBA (Finance) from Jaipuriya Management Lucknow, Working as a Tax Consultant in Deloitte High Tech City, Hyderabad, Packege- 6 LPA, Gotra : Self- Chandpuria, Mama- Mymunda, Contact : 124, Ratan Pura, Nagra, Jhansi (UP), Mob.: 94509343577 *(Nov.)*

★ **Shraddha Jain** D/o Sh. Vinay Kumar Jain, DoB 29.06.1995 (at 11:25 am, Firozabad), Height 5'-3", Colour Whitish, Education- M.Sc., B.Ed., DNHE Diploma in IGNOU, CCC Computer Course, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Padmavati Porwal, Contact : 71A, Kalakunj Colony, Bodala, Agra, Mob.: 9058492565, 9760764808 (Whatsapp) *(Nov.)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **दीपक जैन** पुत्र श्री कमल किशोर जैन, जन्मतिथि 14.03.1989, कद 5'–5'', शिक्षा– एम.कॉम., स्वयं का कपड़े का व्यवसाय, गोत्र : स्वयं– डडूरिया, मामा– नेगेशरिया, संपर्क : प्लाट नं. 14, स्काई हाउस, द्रोणपुरी, वैशाली नगर, जयपुर, मो.: 9461588831, 9314916286 *(सितम्बर)*

★ **रोबिन जैन** (तलाकशुदा) पुत्र श्री रिखब चन्द जैन, जन्मतिथि 18.12.1982 (प्रातः 3:35 बजे, आगरा), लम्बाईः 6फुट, शिक्षाः एम.बी.ए., व्यवसायः कॉपर वायर फैक्ट्री, आयः 55 हजार प्रति माह, गोत्रः स्वयं– चोरबम्बार, मामा– माइमूडा, सम्पर्कः 93, कला कुंज कॉलोनी, मारूति स्टेट, आगरा, मोबाइलः 9997586176 *(अक्टूबर)*

★ **संजय जैन** (मांगलिक) पुत्र श्री महावीर प्रसाद जैन, जन्मतिथि 13.12.1991 (प्रातः 7:50 बजे, दिल्ली), गोरा रंग, लम्बाईः 5'–7'', शिक्षाः बी.बी.ए., एम.ए. अध्ययनरत, निजी व्यवसाय, आयः 60 हजार प्रति माह, गोत्रः स्वयं– चौधरी, मामा– बड़वासिया, सम्पर्कः 9818560038, 9999037577, ईमेल : sanjujain5404@gmail.com *(अक्टूबर)*

★ **रवि जैन** पुत्र श्री शीतल चंद जैन, जन्मतिथि 8.2.1994 गोरा रंग, लम्बाईः 5'–10'', शिक्षाः बी.कॉम., एम.कॉम. अध्ययनरत, निजी व्यवसाय, आयः 60 हजार प्रति माह, गोत्रः स्वयं– चौधरी, मामा– चौरबम्बार, सम्पर्कः

9818560038, 9211981214 *(अक्टूबर)*

★ **राहुल जैन** पुत्र श्री सुरेश चंद जैन, जन्मतिथि 1.6.1990 लम्बाईः 5'–6'', शिक्षाः बी.ए., आई.टी.आई., कम्पनी में जॉब, आयः 25 हजार प्रति माह, गोत्रः स्वयं– बड़वासिया, मामा– चौधरी (रेजीडेन्सी जयपुर), सम्पर्कः सुरेश चंद जैन, 8104270447, 9672017972 *(अक्टूबर)*

★ **पवन जैन** पुत्र श्री रविन्द्र जैन, उम्र 28 वर्ष, लम्बाईः 5'–7'', व्यवसाय– नमकीन खोमचा, आयः 30 हजार प्रति माह, गोत्रः स्वयं– फतेहपुरिया, मामा– चौधरी, सम्पर्कः रविन्द्र जैन, खेरली, अलवर, मो.: 9549546515, 8290884642 *(अक्टूबर)*

★ **सौरव जैन** पुत्र श्री बसन्ती लाल जैन, जन्मतिथि 30.9.1990 लम्बाईः 5'–8'', शिक्षाः 10वीं, जॉब– कम्प्यूटर शॉप एण्ड सर्विस, गोत्रः स्वयं– सेंगरवासिया, मामा– चौधरी, सम्पर्कः बसन्ती लाल जैन, नदबई, भरतपुर, मो.: 8440977801, 8696853145 *(अक्टूबर)*

★ **मयंक जैन** पुत्र श्री प्रमोद कुमार जैन (बरारा वाले), जन्मतिथि 07.08.1986 (रात्रि 9 बजे) लम्बाईः 5'–11'', शिक्षाः एमबीए, वनीत इन्फ्रास्ट्रक्चर्स एण्ड डवलपर्स प्रा.ज़ जिरकपुर चण्डीगढ़ में सीनियर रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत, आय– 7 लाख प्रति वर्ष, गोत्रः स्वयं– सलावदिया, मामा– चिलिया, सम्पर्कः 43/806, श्याम नगर, एस.टी.सी. हा.बो. के पास, भरतपुर, मो.: 9413133882 *(नवम्बर)*

★ **Arihant Jain** S/o Sh. S.K. Jain, DoB 03.06.1990 (at 08:46 am), Height- 5'-3.5", Education- B.Tech (Electronics) & MBA in Marketing, Occupation: Dy. Manager in M/s National Payment Corporation of India, Mumbai, Income: 7.50 LPA, Gotra: Sataria, Contact : Flat No. 603, Bldg. No. 5, Kenwood Tower, Kenwood Park, Mira Bhayander Road, Mira Road (East), Distt.- Thane, Maharashtra, Mob.: 9969019635, Ph.: 0222-8127404, Email: skjain5607@yahoo.in *(Sep.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Vinod Kumar Jain, DoB 15.02.1989, Height: 5'-8", Education- B.Sc., Hotel Management, Occupation: Supervisior in Hotel Clarion Belacasa, Jaipur, Gotra: Self- Kudal, Mama- Ambia, Contact : Pili Kothi, Near Jain Mandir, Mohalla Gopal Garh, Bharatpur, Mob.: 9414714418, 9511540040 *(Sep.)*

★ **Akash Jain** S/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 08.03.1992 (at 12:55 AM, Alwar), Fair Complexion, Height 5'-8", Working as a Software Developer in Private Company, Income 8.50 LPA, Gotra : Self- Chaudhary, Mama- Janthuria, Contact : 9784931337, 9461231755 *(Sep.)*

★ **Anuj Jain** S/o Sh. Kamal Kumar Jain, DoB 12.12.1982, Height 5'-7", Education- B.Com, Desktop Publisher (DTP), Occupation- Business (Offset Printing Press), Gotra : Self- Baderia, Mama- Jaiswal, Contact : I-103, Basant Vihar, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9319109212, 9149246622 *(Sep.)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Narendra Kumar Jain, DoB 03.12.1989 (at 12.35pm, Agra), Height 6ft., Fair Complexion, Education- M.Com, Occupation- Business (Two Wheeler Spare Parts Shop), Income- In 6 digits Figure, Gotra : Self- Barwasia, Mama- Kashmirya, Contact : 9783736290, 9782486003 (Dausa, Raj.), Whatsapp- 8946980104, email : jain.0312mohit@gmail.com *(Sep.)*

★ **Ambuj Jain** S/o Sh. Vimal Jain Advocate, DoB 20.12.1989 (at 07:52 AM, Agra), Education- B.Tech (NIT Surat), MBA (BITS Pilani), Occupation- Business Analyst (Credit Suisse, Mumbai), Salaray 12 LPA, Gotra : Self- Athwarsiya, Mama- Rawat, Contact : 17/7, Subhash Nagar, Karmyogi Road, Agra, Mob.: 9319122493, 8958484373, Email : vimaljainadvocate@rediffmail.com *(Sep.)*

★ **Anurag Jain** (Manglik) S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 23.03.1992 (at 11:26 PM, Gangapur City), Height 5'-10", Education- M.Tech. (I.T.) from IIIT Allahabad, Occupation- Assistant Professor in Govt. Engineering College (Teqip Faculty) Ajmer, Salary 70,000 per month, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Baroliya, Contact : Sh. Ashok Kumar Jain, Seth Godam, Karauli, Mob.: 9460952470,9461152595 *(Sep.)*

★ **Kapil Kumar Jain** S/o Sh. Devendra Kumar Jain, DoB 15.06.1988 (at 7:09 AM, Alwar), Height 5'-7", Education- Diploma (Mech. Engg.), Occupation- Engineer in a Company Alwar, Pakage- 3 LPA, Gotra : Self- Balanvasia, Mama- Ladodia, Contact : 9015993930, Email : rohit_jain1012@rediffmail.com, nkjain1012@yahoo.com *(Sep.)*

★ **Amit Kumar Jain** S/o Sh. Nav Ratan Kumar Jain, DoB 12.12.1985 (at 5:40 pm, Agra), Height- 5'-7", Education- B.Com, 'O' Level Computer Diploma, MBA, Occupation- Asstt. Officer in Magalam Cement Ltd., Gotra : Self- Kashmiria, Mama- Nangesuria, Income 6 LPA, Contact : Kashra No.238, Pilot No.2, Near Ashopa Hospital, Gailana Raod, Sikandra, Agra-282007, Mob.: 9012194794, 9897705251, 9897931696, Email : arunjain.2244@gmail.com, mtjain498@gmail.com *(Sep.)*

★ **Deepak Jain** S/o Sh. Shikhar Chand Jain, DoB 24.12.1991 (at 7:52 PM, Jaipur), Height 5'-8", Education- B.Tech. (CS), Occupation- Sr. Software Engineer in NIIT Technology, Noida, Gotra : Self- Chourbambar, Mama- Ladodiya, Contact : E-11, Ram nagar Extn., Sodala, Jaipur-302019, Mob.: 9414539630 *(Oct.)*

★ **Prashant Jain** S/o Sh. Padam Chand Jain, DoB 18.12.1992 (at 12:49 AM, Kherli), Height 5'-8", Education- B.Tech (Electronic and Communication), Occupation- Software Test Engineer in Xavient Information Systems, Noida, Package 9.25 LPA,

Gotra : Self- Salavadiya, Mama- MastakDangya Chaudhary, Contact : Jain Sadan, Ward No. 2, Kajodi Mohalla, Kherli, Alwar-321606, Mob.: 9414856933, 8975476700 *(Oct.)*

★ **Ankur Jain** (Manglik) S/o Sh. Ramesh Chand Jain (Agra College), DoB 31.07.1987 (at Agra), Height- 5'-9", Education- Engg. Diploma (Automobile), M.Sc. (Physics), B.Ed., Occupation- Working as an Senior Executive in Bharti Axa (General Insurance), Salary- 25,000/- per month, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Sengarwasia, Contact : 9258065928, 8445661523 (Whatsapp) *(Oct.)*

★ **Manish Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 5.02.1988 (at 9:36 PM, Bayana, Bharatpur), Height- 5'-5", Education- Diploma & B.Tech in Civil, Occupation- Service as a Civil Engineer in Jaipur, Gotra : Self- Rajoria, Mama- Lohkirodia, Contact : A-95 First Floor, Shri Radha Puram, NH-2, Mathura, Mob.: 9837899974, 7500371444, 7500254444, Email : manoj.jain42@gmail.com *(Oct.)*

★ **Tarun Kumar Jain** (Manglik) S/o Sh. Parasmal Jain, DoB 11.01.1991 (at 4:48 AM, Gangapur City), Height- 5'-6", Education- B.E. (Civil), M.Tech (Environmental Engg. IIT Roorkee), Occupation- A.En. (Nagar Parishad Jhalawar), Gotra : Self- Dhadhuriya, Mama- Balanwasiya, Contact : Plot No. 168, No. 3 School ke Peeche, Nasiya Colony, Gangapur City, Mob.: 9461151976, 8619715858 *(Oct.)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 28.04.1993, Height- 163 cms., Education- B.Tech. (Electrical), Occupation- Asst. Professor (FIITJEE), Gotra : Self- Sagarvanshi, Contact : Kapoor Niketan, Naugaon, Alwar, Mob.: 9588885656, 9828745429 *(Oct.)*

★ **Hardik Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 07.04.1991 (at 11:10 am, Agra), Height- 5'-7", Education- B.Sc., Occupation- PA in Postal Department Agra, Income- 35,000 per month, Gotra : Self- Karsaulia, Mama- Barbasia, Contact : 172-173, Sec. 6E, Avas Vikas Colony, Agra, Mob.: 9808527850, 9760228644 *(Oct.)*

★ **Shobhit Jain** S/o Sh. N.K. Jain, DoB 15.07.1987 (at 02:12 PM, Roorkee), Height 6'-2", Fair Complexion, Education- B.Tech (Mechanical), MBA from Germany, Diploma in German Language from Germany, Posted in Germany as a Team Leader Technology & Business Consultant in World Second Ranking Company in Germany, Earning Sixty Lakh per Annum in Indian Currency, Gotra : Self- Nadoria, Mama- Maheshwari, Contact : Lane No. 2, Sainik Colony, Nakronda Road, Balawala, Dehradun (Uttarakhand), Mob.: 9758686559, 9720652294, Email : nkjainbhel@gmail.com *(Oct.)*

★ **Alankrit Jain** S/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 04.08.1990 (at 03:12 PM, Agra), Height 5'-11", Education- B.Com, Occupation- Own Business (Trading of Imported Tin Plate Sheets & Manufacturing of Tin Factory Product), Income- 8 to 10 LPA, Gotra: Self- Salavadia, Mama-Deveriya, Contact : F-823/6, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9412261738, Email : atc1987@rediffmail.com *(Oct.)*

★ **Tarun Jain** (Manglik) S/o Sh. Ravindra Kumar Jain, DoB 02.05.1988 (at 9:30 am, Gangapur city), Height- 5'-3", Education- B.Tec. (CS), Occupation- Self Business Patanjali Outlet & Distributionship in Astha Agarbatti, Income 3.50 LPA, Gotra : Self- Barwasiya, Mama- Bhorangiya, Contact : 202, Manak Bhawan, Janakpuri Mala Road, Kota-324002, Mob.: 9413276409 *(Oct.)*

★ **Varun Kumar Jain** S/o Sh. Rishabh Kumar Jain, DoB 22.09.1988 (at 10:32pm, Agra), Height 5'-7", Fair, Good Looking, Education- B.B.A., PGDM & MBA, Occupation- Assistant Accountant in Roger Industries Ltd, Agra, Gotra : Self- Kashmiria, Mama- Nangesuria, Contact : Sh. Rishabh Kumar Jain, H.No. 46, Laxmi Nagar, Behind Sikandra Hospital, Sikandra, Agra-282007, Mob.: 9897705251, 9027643375, 9897929854, Email : tarun.9000@yahoo.co.in, varunj23@gmail.com *(Oct.)*

★ **Ravindra Jain** S/o Sh. Harendra Kumar Jain, DoB 10.06.1993 (at Achnera, Agra), Height- 5'-4", Education- B.E (Information Technology), Occupation- Working as Software Engineer at Mumbai (DCB Bank), Grade : Deputy Manager, Income- 7 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Rajauria, Contact : 1438, Mohan Girara, Achnera, Agra, Mob.: 9410205323, 7895852453 *(Oct.)*

★ **Prince Kumar Jain** (Manglik) S/o Sh. Yogesh Chand Jain, DoB 02.03.1989, Height 5'-6", Education- MBA, Working as a Relationship Officer (Finance) in AU Finance India Ltd., Alwar, Package 4 LPA, Gotra : Self- Bayaniya, Mama- Maimunda, Contact : C-326, Surya Nagar, Alwar (Raj), Mob.: 9414857271 *(Oct.)*

★ **Harsh Jain** (Anshik Manglik) S/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 24.12.1988 (at Alwar), Height- 5'-10", Gotra : Self- Rajnayik, Mama- Rajoriya, Education- M.Com, Working as Area Manager in Excide Industries Limited, Package- 4.2 LPA, Contact : Swastik Generator House, Munshi Bajar, Alwar, Mob.: 8094417002 *(Oct.)*

★ **Piyush Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 2.10.1992, Height 5'-4", Fair Colour, Education- M.Com., B.Ed., MBA., Occupation- Working as Sales officer in AXIS Bank, Salary- 3 LPA, Gotra : Self- Bhanwaria, Mama- Choudhari, Contact : Ward No. 15, Near Post Office, Kherli (Alwar)-321606, Mob.: 9588986495, 8058588645 (Whatsapp), Email : piyushjainkherli@gmail.com *(Oct.)*

★ **Saurabh Jain** S/o Sh. Ajay Kumar Jain, DoB

30.07.1991 (at 12:50 PM, Agra), Height 5'-9", Education- MBA, Job- Working in TCS Vadodara, Package 3.5 LPA, Gotra : Self- Baderiya, Mama- Salavadiya, Contact : Mishri Lal, Ajay Kumar Jain (Agra University), H.No. 377, Sector 7, Awas Vikas Colony, Sikandar, Agra, Mob.: 9358564211, 9413157047 *(Oct.)*

★ **Anurag Jain** (Manglik) S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 23.03.1992 (at 11:26 PM, Gangapur City), Height 5'-10", Education- M.Tech. (I.T.) from IIIT Allahabad, Occupation- Assistant Professor in Govt. Engineering College, (Teqip faculty) Ajmer, Salary 70,000 per month, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Baroliya, Contact : Sh. Ashok Kumar Jain, Seth Godam, Karauli, Mob.: 9460952470, 9461152595 *(Oct.)*

★ **Amit Kumar Jain** S/o Sh. Teekam Chand Jain, DoB 20.11.1990 (at Mandawar, Mahua), Height- 5'-9", Education- MA (English), M.Ed, Occupation- Govt. Teacher (3rd English Teacher) in Sr. Sec School Ukroond, Mandawar, Mahwa (Dausa), Gotra : Self- Kotiya, Mama- Baderiya, Contact : Deepesh Bhawan, Street Behind Bohra Marriage Home, Kumher Road, Katra Nadbai, Bharatpur (Raj.), Mob.: 8058221775 *(Oct.)*

★ **Ateiv Jain** S/o Sh. Kamal Kumar Jain, DoB 2.04.1991 (at 11:44pm, New Delhi), Height- 5'-6", Education- B.Tech (H)- Maharshi Dayanand University & M.S. Computer Engineering from San Jose State University, Working as System Reliability Engineer in Nutanix, San Jose, California, USA, Package- 60 LPA, Gotra : Self- Baharashtak, Mama- Kotia, Contact : Plot No. 139, Pratap Nagar, Opp. Harinagar Depot, Jail Road, ND64, Mob.: 9810406052, 9310406052, Email : kamaljain1957@yahoo.com *(Oct.)*

★ **Siddharth Jain** S/o Sh. Babu Lal Jain, DoB 24.05.1992 (at 8:00 PM, Agra), Height- 5'-6", Education- B.Tech in Electronics and Instrumentation, Job- Officer in Canara Bank, Gandhi Nagar, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Deveriya, Contact : H.No. 13, Indra Colony, Shahaganj, Agra, Mob.: 9897848561, Ph.: 0562-2211982 *(Oct.)*

★ **Vibhore Jain** S/o Sh. Surender Jain, DoB 15.11.1989 (at 11:05 AM, Bharatpur), Height 5.5ft., Education- CA, M.Com., Occupation- Own Office M/S. Sumit Kasliwal & Associate, Nehru Place, Jaipur, Gotra : Self- Lohkarodia, Mama- Salavadia, Mob.: 9413309050 *(Oct.)*

★ **Amit Kumar Jain** S/o Sh. Teekam Chand Jain, DoB 20.11.1990 (at 2:45, Mandawar Mahua, Dausa), Height- 5'-9", Education- MA (English), M.Ed., Working as a Govt. Teacher (3rd grade Level-2 English Teacher) in Sr. Sec. School Ukroond, Mandawar, Mahwa (Dausa), Gotra : Self- Kotiya, Mama- Baderiya, Contact : Deepesh Bhawan, Street Behind Bohra Marriage Home, Kumher Road, Katra Nadbai, Bharatpur (Raj.), Mob.: 8058221775 *(Oct.)*

★ **Dinesh Jain** (Manglik) S/o Sh. Nirmal Kumar Jain, DoB 10.05.1991 (at Ajmer), Height 5'-10", Education- B.Tech. (Hons.), Occupation- Software Engineer at Banglore (British Telecom), Income- 23 LPA, Gotra : Self- Bahatria, Mama- Rajnaik, Contact : A-17, Anupam Vihar, Balaji Residency, Gandhi Path (W), Vaishali Nagar, Near Nymph Academy, Jaipur, Mob.: 9829180215, 6376320944 *(Nov.)*

★ **Sagar Jain** S/o Sh. Ravi Kumar Jain, DoB 16.09.1989 (at 8:45pm, Agra), Height 176 cms., Education- Post Graduate, Occupation- Working as a Sr. Credit Executive (Auditor) at Shriram Transport Finance Company Ltd., Gotra : Self- Kayre, Mama- Rajoria, Contact : 29, Laxman Nagar, Arjun Nagar, Agra, Mob.: 9411625480, 9412652888, Ph.: 0562-2303855 *(Nov.)*

★ **Prateek Jain** S/o Sh. Upendra Kumar Jain, DoB 05.06.1989 (at 11:30pm, Agra), Height- 5'-9", Fair & Smart, Education- B.Com., MBA, CCNA Network Certification, Occupation- Working as a Relationship Manager in PNB Loan Dept. Agra, Income- 4 LPA, Gotra : Self- Mayimuda, Mama- Januthariya, Contact : B-11, Ground Floor, Shri Tulsi Magic, Awadhpuri, Agra, Mob.: 8171189085, 9319130112, 9717793853 *(Nov.)*

★ **Mayank Jain** S/o Sh. Trilok Chand Jain, DoB 19.02.1991 (at 3:30PM, Mandawar Mahuwa Road, Dausa), Height 5'-7", Education MBA Finance (Distance) from Welinker, Working in Classic Marble Company Pvt Ltd. as an Accounts Executive, Income- 25,000/-PM, Gotra : Self- Badwasia, Mama - Baderia, Contact : P-705, Phase-5, Pramukh Vihar, Silvassa, D&NH, Mob.: 9924284699, 9460990201 *(Nov.)*

★ **Sameer Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 20.11.1986 (at Alwar), Height- 6 ft., Education- B.Tech (Information Technology), Job- SEDM, DM-Art, Team Leader (ECT Publication, Jaipur), Income- 3.5 LPA, Gotra : Self- Mastdangia Chaudhry, Mama- Sarangdangia Chaudhry, Contact : 422, Lajpat Nagar, Scheme No. 2, Alwar-301001, Mob,: 9461334271, 7665634999 *(Nov.)*

★ **Himanshu Jain** S/o Late Sh. Ashok Jain, DoB 08.11.1990, Height- 5'-10", Occupation- Govt. Courses run by N.G.O. College by J.N.U. admission, Contact : Smt. Indra Jain, C-118, Ranjeet Nagar, Bharatpur, Mob.: 8561899877 *(Nov.)*

★ **Ashish Jain** S/o Sh. Prahalad Kumar Jain, DoB 09.09.1991 (at 2:26 pm), Height- 5'-7", Education- M.Com., Job- Baroda Uttar Pradesh Gramin Bank as a Cashier (Govt. Job), Gotra : Self- Salavadiya, Mama- Maleshwari, Contact : 58A/36, Jyoti Nagar

Khera Road, Agra-282001, Mob.: 8958104100, 9457465443, 8439689998 *(Nov.)*

★ **Siddharth Jain** S/o Sh. Subodh Kumar Jain, DoB 29.12.1992 (at 10:10 am, Delhi), Height- 6'-1", Education- B.Tech (Electronics and Communication), Occupation- Manager (Techno-Legal Research Analysis), Sagacious Research , Gurgaon, Income- 13 LPA, Gotra : Self- Janutharia, Mama- Bhordangiya, Contact : Palam Colony, New Delhi-110045, Mob.: 8010195442, Email : siddjain29@gmail.com, subodh060660@gmail.com *(Nov.)*

★ **Nilesh Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 30.6.1985 (at 1:22 pm, Ajmer), Height- 5'-8", Education- M.Com., Occupation- Working as a Cluster Head at NBFC (Finance) Co. Pvt. Ltd. Jaipur, Income- 7 LPA, Gotra : Self- Maimunda, Mama- Chorbambar, Contact : 11/40, Kaveri Path, Mansarover, Jaipur, Mob.: 9983444198, 9928954688 *(Nov.)*

★ **Dheeraj Jain** S/o Sh. Mahendra Jain, DoB 28.06.89 (at 10:10pm, Morena), Height 5'-8", Fair Colour, Education- M.A, B.Ed, PGDCA, Occupation- Self Business Readymade Garments and Canvas, Income- 5 LPA, Gotra : Self- Nagesuria, Mama- Bajaj, Contact : Sadar Bazar, Mishra ji ka Katra, Dheeraj Garments, Joura, Mob.: 9685164063, 7049169073 *(Nov.)*

★ **Shashank Jain** S/o Shri Devendra Kumar Jain, DoB 02.07.1991 (at 03:59 AM, Rawatbhata, Kota), Education- B.Tech (Mech.), MBA from IBS Hyderabad, Occupation- Managing Director Lemaric Ceramic at Hubli (Karnatakta), Gotra : Self- Barolia, Mama- Amesheriya, Contact : Sh. D.K. Jain, Project Engineer, RAPP, Rawatbhata, Mob.: 9413346539, 9414940675, Email : ushajain20a@gmail.com *(Nov.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 24.07.1994 (at 02.00 am, Nagaur), Height 5'-10", Education- B.com, Occupation- Business (Hosiery Cloth Mfg.), Income- 10 LPA, Gotra : Self- Baderiya, Mama- Lehdodiya, Contact : 29, Avkash Society, B/H. Navlakkha Bunglow, Bapunagar, Ahmedabad, Contcat : (W) 9924222840, 8866753872, (W) 9067349501, 7201053106 *(Nov.)*

★ **Sourabh Jain** S/o Sh. Pooran Chand Jain, DoB 11.05.1990, Height 5'-5'', Education- B.Tech, Working as a Asst. Operation Manager in Eagle Software India Pvt. Ltd. (Eagle Press Group), Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Daduriya, Contact : Nahar Road, Shankar Mill, Gangapur City, Sawaimadhopur, Mob.: 9460031137, 7878483546, Email : skjain11590@gmail.com *(Nov.)*

* * * * *

पूज्य पिताजी एवं पूज्य माताजी की

पुण्य स्मृति में

स्व. श्री अमीर चन्द्र जी जैन *(कपड़े वाले)*
(स्वर्गवास 07-06-2009)

स्व. श्रीमती अशर्फी देवी जी जैन
(स्वर्गवास 16-10-2002)

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
विनोद कुमार जैन-सुधा जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
निशान्त जैन (M.S.)-साक्षी जैन

पौत्री-दामाद :
मीनाक्षी-गौरव जैन
तनूजा जैन (SAP Cloud Consultant)
पड़पौत्री : रोशिका जैन

Residence :
406, Nai Basti, Sant Talkies Road,
Firozabad-283203

(M) 9412160859, 7060443607

प्रतिष्ठान :
जैन अमीर टैक्सटाइल
(जैन्ट्स क्लोथ डीलर)
रेमण्ड, रीड एण्ड टेलर एवं
उच्च कोटि के सूटिंग-शर्टिंग
Shop :
47, Chandra Shekar Market
Sadar Bazar, Firozabad-283203

चतुर्थ पुण्यतिथि पर अश्रुपूरित श्रद्धा सुमन

"दिन बीते, महीने बीते, बीत गये चार वर्ष
कोई ऐसा पल नहीं था जब हमें न आया हो आपका ख्याल"

स्व. श्री जगदीश चन्द जैन
जन्मतिथि : 7.11.1939

स्व. श्रीमती प्रमिला जैन
जन्मतिथि : 7.11.1947

स्वर्गवास : 16 नवम्बर 2014

आपके विचार एवं आपके द्वारा दिए गए संस्कारों से ओत-प्रोत इस जीवन में आपकी स्मृति सदैव हृदय में अंकित रहेगी। आपकी चतुर्थ पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारी जन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।
आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना एवं धर्मपरायणता हमारा सदैव मार्दर्शन करता रहेगा।

श्रद्धावनत

भ्रातागण :
स्व. श्री अनूपचन्द जैन (आगरा)
स्व. श्री निर्मलचन्द जैन (सीकर)
श्री प्रमोद जैन (भरतपुर)
श्री विनोद कुमार जैन

पुत्र-पुत्रवधू :
अनुज जैन-शिवानी जैन

पुत्री-दामाद :
शिवानी जैन-विवेक जैन
श्वेता जैन-नीरज जैन

बहन-बहनोई :
शान्ति जैन-ओम प्रकाश जैन

पौत्र, पौत्री :
आशमन जैन, अनुशी जैन

दोहते :
अंतस, अंश, अरहन, आरनव

निवास :- बी-80, ट्रान्स यमुना कॉलोनी, रामबाग, आगरा
एम-401, एस.पी.एस. हाइट्स, इन्दिरापुरम, गाजियाबाद
मो.: 9971663206, 9650490510

TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.
TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.
AN ISO 9001:2008 COMPANY
PRODUCTS
-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS
-PRESSED STEEL RADIATORS
-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS
-PACKAGE SUBSTATION
CONTACT
Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India
Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

KOTSONS

POWER & DISTRIBUTION

TRANSFORMERS

Export Award Winners

ACHIEVED **100%** GROWTH IN A SINGLE YEAR

KOTSONS PVT. LTD.

(AN ISO 9001 : 2008 & ISO 14001 : 2004 CERTIFIED COMPANY)
C-21, U.P.S.I.D.C., SITE- C, SIKANDRA,
AGRA - 282007 (U.P.) INDIA
Tel. : +91-562-3641818, 2641422
Fax : +91-562-2642059
e-mail : kotsons@kotsons.com
website : www.kotsons.com
Work at : Agra, Alwar & Uttaranchal

DNV

Accredited by the RvA

ISO 9001 QUALITY CERTIFIED
CERTIFICATE No. QSC-3360

RNI NO. RAJHIN/2012/47438 Postal Registration No. IR/JAIPUR CITY/414/2016-18

RERA Registration No. RAJ/P/2017/279
www.rera.rajasthan.gov.in

Pearl Build Trust & Loyalty

Bring Love, Happiness and Family
almost everything
Everything else is already here.

- INDOOR GAMES
- PARTY HALL
- LIBRARY
- GYMNASIUM
- MASSAGE, STEAM, SAUNA BATH
- HOME THEATRE
- POWER BACKUP FOR COMMON AREA
- RAIN WATER HARVESTING
- CCTV COMMON AREA
- FIRE FIGHTING SYSTEM
- INTER COM FACILITY
- DTH CONNECTION
- GAS BANK FOR 1 & 2 BHK

PEARL SUNRISE RC

अपनेपन का अहसास

616	Studio Apartments
168	1 BHK Including EWS
140	2 BHK

"Pearl Sunrise RC", opp. Japanese Industrial Zone, Jaipur-Delhi Highway, NH-8, Neemrana, Rajasthan

2 Decades of Excellence | 3600 Villas + Plots | More than 500 Apartments | 22 'Pearl' Tower | 6 Townships

Promoter : Standford Developers (A Pearl Group Venture)

Pearl Build Trust & Loyalty

Pearl India Buildhome (P) Ltd.
"Pearl Suryavanshi", 401, A-5, Sardar Patel Marg,
C-Scheme, jaipur - 302001. INDIA, Ph.: +91 141 4014044

Dr. Raj Kumar Jain +91 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain +91 9829010092

PRINTED MATTER

If Undelievered, please return to

श्री चन्द्रशेखर जैन, संयोजक
86, श्री विहार कॉलोनी होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी – अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।